राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 28 नवम्बर 2025 वर्ष-8,अंक-271 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

भारत-कनाडा यूरेनियम डील पर मुहर जल्द, शेख हसीना प्रत्यर्पण पर भी विचार

नई दिल्ली भारत और कनाडा करीब ढाई दशक बाद अपने असैन्य परमाणु सहयोग को नई ऊँचाई देने जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को पुष्टि की कि दोनों देश 2.8 अरब डॉलर (लगभग 23,500 करोड़ रुपये) के यूरेनियम आपूर्ति समझौते को अंतिम रूप देने की दहलीज पर हैं। जोहान्सबर्ग में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मुलाकात में इस पर विस्तृत चर्चा हुई। विदेश मंत्रालय प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, दोनों देश असैन्य परमाणु सहयोग को और मजबूत करने के लिए बातचीत कर रहे हैं। यह हमारे द्विपक्षीय रिश्तों का महत्वपूर्ण हिस्सा है। कनाडाई मीडिया के अनुसार, कनाडा की दिग्गज कंपनी कैमेको कॉर्प अगले 10 वर्षों तक भारत को यूरेनियम की नियमित आपूर्ति करेगी। 2008 के भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के बाद कनाडा पहला देश था जिसने भारत के साथ असैन्य परमाणु सहयोग फिर शुरू किया था; अब यह नया समझौता उस सहयोग को और ठोस रूप देगा। इसी प्रेस ब्रीफिंग में जायसवाल ने बताया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन दिसंबर के पहले सप्ताह में भारत आ सकते हैं। 22वाँ भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन नई दिल्ली में होगा, जिसमें रक्षा, ऊर्जा और व्यापार पर अहम समझौते होने की संभावना है। तारीख की औपचारिक घोषणा जल्द की जाएगी।

सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट की धमकी, महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया

इंफाल मणिपुर में जारी सांगई पर्यटन महोत्सव में विस्फोट करने की धमकी देने के आरोप में सुरक्षा बलों ने एक महिला सहित तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। मणिपुर पुलिस ने असम राइफल्स के साथ संयुक्त अभियान में प्रतिबंधित संगठन के सीपी (एमएफएल) के तीन सक्रिय सदस्यों को गिरफ्तार किया। यह कार्रवाई एक फेसबुक उपयोगकर्ता द्वारा पोस्ट किए वीडियो के बाद की गई, जिसमें 21 से 30 नवंबर तक आयोजित महोत्सव में बम विस्फोट करने की धमकी दी गई थी। उग्रवादियों को इंफाल पूर्व, इंफाल पश्चिम और थौबल जिलों से पकड़ा गया है। पुलिस ने बताया कि जांच जारी है। पूर्वोत्तर राज्य में विस्थापित व्यक्तियों और नागरिक समाज संगठनों द्वारा इस सांगई महोत्सव का बहिष्कार किया गया है। मणिपुर में मई 2023 से मैतेई और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 260 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।

3 दिसंबर को आईडीईए की अध्यक्षता संभालने स्वीडन जाएंगे मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार

नई दिल्ली भारत के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीआईसी) ज्ञानेश कुमार दिसंबर 2025 में अंतर्राष्ट्रीय संगठन इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस (आईडीईए) की अध्यक्षता संभालने जा रहे हैं। यह भारतीय निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और वैश्विक स्तर पर भारत के मजबूत लोकतांत्रिक अनुभव और चुनावी प्रबंधन में इसकी विश्वसनीयता को दिखाती है। दुनिया भर में लोकतांत्रिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं को मजबूत करना। इस संगठन के सदस्य देश में 35 देशों का एक फोरम है। श्री कुमार 3 दिसंबर, 2025 को स्वीडन के स्टॉकहोम में अंतर्राष्ट्रीय आईडीईए के सदस्य देशों की परिषद की बैठक में 2026 के लिए यह अध्यक्षता ग्रहण करने वाले है। बात दें कि भारत इस संगठन का संस्थापक सदस्य रहा है और इसके शासन, लोकतांत्रिक संवाद और संस्थागत पहलों में योगदान दिया है। यह भारतीय निर्वाचन आयोग को दुनिया के सबसे विश्वसनीय और नवोन्मेषी चुनाव प्रबंधन निकायों (ईएमबी) में से एक के रूप में वैश्विक मान्यता प्रदान करती है। सीईसी कुमार भारत के करीब एक अरब मतदाताओं वाले दुनिया के सबसे बड़े चुनाव आयोजित करने के अनुभव का लाभ उठाएंगे। यह अनुभव आईडीईए के वैश्विक एजेंडे को आकार देने और ईएमबी के बीच पेशेवर नेटवर्क को मजबूत करने में सहायक होगा। सीईसी के नेतृत्व में, आईडीईए और ईसीआई मिलकर भारत निर्वाचन आयोग के तकनीकी और प्रशासनिक नवाचारों और सर्वोत्तम प्रथाओं को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर दस्तावेजित और प्रसारित करेगा। ईसीआई का प्रशिक्षण संस्थान इंडिया इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डेमोक्रेसी एंड इलेक्शन मैनेजमेंट (आईआईडीईएम) और आईडीईए संयुक्त कार्यक्रम, कार्यशालाएँ और अनुसंधान सहयोग करेगा। यह सहयोग गलत सूचना, चुनावी हिंसा और मतदाता विश्वास में कमी जैसी चुनौतियों का जवाब देने के लिए वैश्विक तत्परता को बढ़ाएगा। आईआईडीईएम ने अपनी स्थापना के बाद से अब तक 142 देशों के 3169 अधिकारियों को प्रशिक्षित किया है और 28 देशों के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए हैं।

भारत की सैन्य ताकत दिखाई है

बल्कि ये भी बता दिया.....राष्ट्रपति मुर्मू का दुनिया को साफ संदेश

नई दिल्ली

भारत की काउंटर-टेररिज्म और सुरक्षा रणनीति ने दुनिया को न केवल भारत की सैन्य ताकत दिखाई है, बल्कि ये भी बात दिया हैं कि भारत शांति के लिए कठोर लेकिन जिम्मेदार कार्रवाई करने की नैतिक स्पष्टता रखता है। यह बात गुरुवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भारतीय सेना के चाणक्य डिफेंस डायलॉग 2025 के उद्घाटन समारोह में कही थीं। राष्ट्रपति मुर्मू ने सीमावर्ती क्षेत्रों में अवसंरचना, कनेक्टिविटी और शिक्षा को मजबूत करने में सेना के योगदान की प्रशंसा की। राष्ट्रपति ने कहा कि भारतीय रक्षा तंत्र केवल सीमाओं की सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय विकास का भी प्रमुख आधार है। उन्होंने बदलते वैश्विक परिदृश्य पर कहा कि आज की दुनिया तकनीकी बदलावों, उभरते शक्ति केंद्रों, साइबर स्पेस व कॉग्निटिव वॉर जैसे नए युद्ध क्षेत्रों और बदलते गठबंधनों से गुजर रही है।

वर्तमान में भारत अपने सांस्कृतिक सिद्धांत 'वसुधैव कुटुम्बकम' के आधार पर

सामरिक स्वायत्तता और वैश्विक जिम्मेदारी दोनों का संतुलन बनाए हुए है।

उन्होंने इस मौके पर भारतीय सेना के बड़े सुधारों जैसे कि संरचना में बदलाव, सिद्धांतों का पुनर्निर्धारण और भविष्य उन्मुख क्षमताओं के विकास की सराहना की। उन्होंने कहा कि ये प्रयास भारत को आत्मनिर्भर रक्षा शक्ति बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

राष्ट्रपति मुर्मू ने सेना द्वारा युवाओं में देशभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व भावना विकसित करने के लिए हो रहे प्रयासों जैसे शिक्षा, खेल और एनसीसी विस्तार की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि सेना में युवाओं और विशेषकर महिलाओं की बढ़ती भागीदारी भारत को और सशक्त बनाएगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने भरोसा जताया कि चाणक्य डिफेंस डायलॉग की चर्चाएं और निष्कर्ष नीति-निर्माताओं को भविष्य की राष्ट्रीय सुरक्षा रणनीतियों और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को आकार देने में उपयोगी साबित होगा। गौरतलब है कि 'चाणक्य डिफेंस डायलॉग' भारतीय सेना का बेहद महत्वपूर्ण संवाद कार्यक्रम है। गुरुवार को राष्ट्रपति मुर्मू चाणक्य डिफेंस डायलॉग में बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुईं। इस दौरान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, टॉप आर्मी कमांडर्स, नीति आयोग के सीईओ, रक्षा सचिव सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, देश-विदेश से आए रक्षा विशेषज्ञ व विशिष्ट हस्तियां मौजूद रहे है।

हॉन्गकॉन्ग में 35 मंजिल वाली 8 इमारतों में लगी आग, 40 की जलकर मौत, 280 लापता

विक्टोरिया

हॉन्गकॉन्ग के उत्तरी ताई पो जिले में बड़ा हादसा हो गया है। यहां लगी आग में 40 से ज्यादा लोग जलकर राख हो गए वहीं 280 लोग लापता हैं। उत्तरी ताई पो जिले में बुधवार को एक 35 मंजिला रिहायशी कॉम्प्लेक्स की इमारतों में आग लग गई। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस हादसे में 40 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं, 15 लोग घायल हैं। इसके अलावा 280 लोग लापता हैं। आग कम से कम 8 इमारतों तक फैल गई थी। अब तक सिर्फ 1 इमारत में लगी आग पर काबू पाया जा सका है। वांग फुक कोर्ट के ये टावर बांस की मचान से ढके हुए थे। हान्गकान्ग में निर्माण और मरम्मत कार्यों में बांस की मचान का बहुत ज्यादा इस्तेमाल होता है। ऐसा माना जा रहा है कि इसकी वजह से आग तेजी से फैली। वांग फुक कोर्ट न्यू टेरिटरीज के ताई पो इलाके में बना एक हाउसिंग कॉम्प्लेक्स है, जहां इस समय मरम्मत और नवीनीकरण का काम चल रहा है। इस एस्टेट में 1,984 फ्लैट हैं और यहां करीब 4,000 लोग रहते हैं। हॉन्गकॉन्ग सरकार ने कहा है कि वांग फुक कोर्ट कॉम्प्लेक्स में लगी आग के बाद अस्थायी शेल्टर खोले गए हैं। ये शेल्टर क्वॉन्ग फुक कम्युनिटी हॉल और तुंग चेओंग स्ट्रीट लीजर बिल्डिंग में बनाए गए हैं। इसके अलावा ऐलिस हो मियू लिंग नेथरसोले अस्पताल में एक हेल्प डेस्क बनाया गया है, ताकि लोगों को मदद और जानकारी दी जा सके।

सरकार ने कहा कि ताई पो जिला कार्यालय हालात पर कड़ी

नजर रख रहा है और जरूरत होने पर और शेल्टर खोले जाएंगे। फायर विभाग ने बताया कि मरने वालों में एक फायरफाइटर भी शामिल है। विभाग ने रॉयटर्स को बताया कि यह पता नहीं चल पाया है कि कॉम्प्लेक्स के अंदर कितने लोग अभी भी फंसे हो सकते हैं। पुलिस ने बताया कि कई लोग अब भी टावरों में फंसे हुए हैं।

हॉन्गकॉन्ग में 17 साल की सबसे बड़ी आग

हान्गकान्ग में नंबर-5 अलार्म वाली आग इससे पहले 2008 में कॉर्नवाल कोर्ट में लगी थी। मोंग कोक के इस करओके बार और नाइट क्लब में लगी भीषण आग में चार लोगों की मौत हुई थी, जिनमें दो फायरफाइटर भी शामिल थे। इस घटना में 55 लोग घायल हो गए थे।

भारतीय वायु सेना और फ्रांसीसी वायु सेना के बीच जारी अभ्यास गरुड़ 2025

नई दिल्ली

भारतीय वायु सेना (आईएएफ) और फ्रांसीसी वायु एवं अंतरिक्ष सेना (एफएएसएफ) के बीच चल रहे द्विपक्षीय अभ्यास गरुड़ 2025 पर केंद्रित है। यह गरुड़ अभ्यास का आठवाँ संस्करण है, जो 16 से 27 नवंबर तक फ्रांस के मोंट-डी-मार्सन में आयोजित किया जा रहा है। इसका मकसद अंतर-संचालन को और मज़बूत करना। दपेशेवरता, सटीकता और एकजुट टीमवर्क के माध्यम से द्विपक्षीय साझेदारी की मजबूती को सुदृढ़ करना। यथार्थवादी परिचालन वातावरण में रणनीति और प्रक्रियाओं को परिष्कृत करना। आपसी शिक्षा और परिचालन ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना।

शामिल भारतीय वायुसेना के विमानः एसयू-30एमकेआई, सी-17 ग्लोबमास्टर तीसरी (प्रेरण और विप्रेषण चरणों के लिए एयरलिफ्ट सहायता)। आईएल-78 (हवा से हवा में ईंधन भरने के लिए)। मिशन हवा से हवा में होने वाली मुठभेड़ों, वायु रक्षा अभियानों, और समन्वित हमले अभियानों पर केंद्रित हैं। यह अभ्यास मित्रवत विदेशी वायु सेनाओं के साथ रचनात्मक रूप से जुड़ने और हवाई संचालन के क्षेत्र में आपसी समझ और सहयोग को बढ़ावा देने की भारतीय वायुसेना की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

सीजेआई सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में बड़े बदलाव के संकेत देते हुए कहा- 1 दिसंबर तक करें इंतजार

नई दिल्ली

देश के नए मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत ने सुप्रीम कोर्ट में बड़े बदलावों का संकेत देते हुए कहा है कि 1 दिसंबर से सुधारों का पहला चरण लागू होगा। केस मेंशन करने आए एक वकील की दलील पर प्रतिक्रिया देते हुए सीजेआई सूर्यकांत ने कहा, 1 दिसंबर तक इंतजार कीजिए, हम कुछ प्लान कर रहे हैं। हम आपकी चिंता जानते हैं, इसे बार-बार बताने की जरूरत नहीं है। उनकी यह टिप्पणी सुप्रीम कोर्ट के केस मेंशनिंग सिस्टम में बड़े बदलाव की ओर स्पष्ट इशारा मानी जा रही है।

सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी संकेत दिया कि वकीलों को अब मेंशनिंग के लिए कोर्टरूम में बार-बार नहीं आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सुधारों के पहले फेज़ में केस मेंशनिंग की प्रक्रिया को सरल एवं सुव्यवस्थित किया जाएगा, ताकि वकीलों का कीमती समय बच सके और एक पारदर्शी व्यवस्था विकसित हो सके।

पदभार संभालते ही जताई थी नाराज़गी

नए सीजेआई सूर्यकांत ने कार्यभार ग्रहण करने के दिन ही केस मेंशनिंग के मौजूदा तौर-तरीकों पर सख्त असहमति जताई थी। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा था, कि कई वकील मामलों को उसी दिन मेंशन कर लिस्टिंग की मांग करते हैं, जो स्वीकार्य नहीं हो सकता।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया था, कि मौत की सजा या अभिव्यक्ति की आज़ादी जैसे बेहद जरूरी मामलों को छोड़कर किसी भी केस को उसी दिन सूचीबद्ध करने की मांग नहीं मानी जाएगी। उन्होंने यह भी कहा था कि मेंशनिंग के लिए निर्धारित प्रक्रिया का पालन आवश्यक है और बिना औपचारिकता पूरी किए तत्काल सुनवाई की मांग सुप्रीम कोर्ट की व्यवस्था को बाधित करती है।

इंडोनेशिया रक्षा मंत्री समसुद्दीन भारत दौरे पर, ब्रह्मोस मिसाइल पर हो सकती है डील!

नई दिल्ली

भारत और इंडोनेशिया के बीच ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के संभावित सौदे को प्रोत्साहन की उम्मीद जताई जा रही है। इंडोनेशिया के रक्षा मंत्री साफ्री समसुद्दीन इस समय भारत दौरे पर हैं और इस दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को नई दिशा मिलने की संभावना है। ब्रह्मोस खरीद को लेकर बातचीत एडवांस स्टेज में है और रूस ने भी इस संभावित निर्यात पर सकारात्मक रुख दिखाया है। बता दें रूस भारत के साथ मिलकर ब्रह्मोस मिसाइल बनाता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान ब्रह्मोस ने पाकिस्तान में सटीकता के साथ लक्ष्य भेदा था, जिससे इसकी प्रणाली की क्षमता पर इंडोनेशिया का भरोसा और मजबूत हुआ। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा सहयोग के दायरे में भारत इंडोनेशियाई वायुसेना और नौसेना के लिए 'मेंटेनेंस, रिपेयर एंड ओवरहॉल' हब के रूप में उभर सकता है। भारत पहले से ही सुखोई फाइटर जेट्स की देखरेख और तकनीकी सहयोग में महारत हासिल कर चुका है और इंडोनेशिया के सुखोई बेड़े की सहायता भी कर रहा है। बता दें इंडोनेशिया दुनिया का सबसे बड़ा मुस्लिम देश है। इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियान्तो और पीएम मोदी के बीच जनवरी में हुई शिखर वार्ता में ब्रह्मोस मिसाइल निर्यात शीर्ष मुद्दों में शामिल था। प्रबोवो इस साल गणतंत्र दिवस समारोह के मुख्य अतिथि थे। बैठक में प्रबोवो ने भारत के रक्षा

विनिर्माण क्षेत्र की प्रगति की सराहना की और भारतीय विशेषज्ञता के साथ इंडोनेशिया में घरेलू रक्षा उत्पादन बढ़ाने में रुचि जताई। दोनों देशों ने संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की मदद से रक्षा उद्योग में साझेदारी गहरी करने पर सहमति व्यक्त की है। रिपोर्ट के मुताबिक जनवरी की यात्रा के दौरान ब्रह्मोस के सीईओ डॉ. जैतीर्थ आर जोशी ने पीएम मोदी और राष्ट्रपति प्रबोवो की उपस्थिति में इंडोनेशिया के उद्योगपतियों और रक्षा अधिकारियों से बातचीत की है।

भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट का पीएम मोदी ने किया अनावरण, 2026 में होगी लॉन्चिंग

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए स्काईरूट के नए इनफिनिटी कैंपस का भी किया उद्घाटन

नई दिल्ली

भारत के अंतरिक्ष इतिहास में एक नया अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए देश के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-द्ध का औपचारिक अनावरण किया। 26 मीटर ऊँचे इस रॉकेट का निर्माण निजी अंतरिक्ष कंपनी स्काईरूट एयरोस्पेस ने किया है। यह रॉकेट 300 किलोग्राम तक के उपग्रहों को पृथ्वी की कक्षा में स्थापित करने की क्षमता रखता है। कंपनी अगले वर्ष 2026 में इसके पहले मिशन को लॉन्च करेगी।

इस अनावरण कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने स्काईरूट के नए इनफिनिटी कैंपस का भी उद्घाटन किया। हैदराबाद स्थित यह अत्याधुनिक परिसर लगभग दो लाख वर्ग फुट क्षेत्र में फैला है। यहां बहु-लॉन्च व्हीकल्स के डिजाइन, विकास, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग का काम किया जाएगा। कंपनी के अनुसार, यह सुविधा हर महीने एक ऑर्बिटल रॉकेट बनाने में सक्षम होगी। स्काईरूट एयरोस्पेस की स्थापना 2018 में पवन चंदना और भरत ढाका ने की थी। दोनों आईआईटी से शिक्षित हैं और इसरो में वैज्ञानिक के रूप में अपनी सेवाएं दे चुके हैं। 2022 में कंपनी ने अपना पहला सब-ऑर्बिटल रॉकेट विक्रम-एस लॉन्च कर भारत की पहली निजी रॉकेट लॉन्चिंग कंपनी बनकर इतिहास रचा था।

प्रधानमंत्री मोदी ने इसे भारत के बढ़ते स्पेस सेक्टर की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि देश बड़े लक्ष्य तय कर रहा है और उन्हें पूरा करने के लिए निजी

कंपनियों को व्यापक अवसर मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने निवेशकों से भारत की विकास यात्रा में सहभागी बनने का आह्वान भी किया।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत- कनाडा के रिश्तों में नई गर्माहट बड़े बदलाव का संकेत

(लेखक - ललित गर्ग)

भारत और कनाडा के रिश्तों पर पड़ी बर्फ धीरे-धीरे पिघल रही है और दोनों देशों के बीच एक नए विश्वास, सहयोग और साझेदारी का वातावरण आकार ले रहा है। वैश्विक राजनीति के बदलते स्वरूप, व्यापारिक हितों और तकनीकी साझेदारियों की बढ़ती जरूरतों ने दोनों देशों को पुनः संवाद और सहयोग की राह पर लौटने के लिए प्रेरित किया है। जून से शुरू हुआ यह सकारात्मक बदलाव अब व्यापक रूप में दिखाई देने लगा है, जिसका संकेत हाल ही में की गई द्विपक्षीय बैठकों, उच्चस्तरीय संपर्कों और आर्थिक सहयोग की घोषणाओं में स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है। भारत के केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल द्वारा 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक ले जाने के लक्ष्य एवं कनाड़ा द्वारा अब नागरिकता के बंद दरवाजे खोलने की घोषणा इस परिवर्तन की गहराई और व्यापकता को रेखांकित करती है। यह लक्ष्य केवल व्यापार बढ़ाने का संकल्प मात्र नहीं है बल्कि यह उस नये दौर की प्रतीकात्मक दस्तक है जिसकी ओर दोनों देश बढ़ रहे हैं और इससे दोनों देशों को फायदा होगा।

> भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।

पिछले कुछ समय में भारत और कनाडा के रिश्तों में जिस तरह तनाव और अविश्वास ने जगह बनाई थी, वह दोनों देशों के लंबे ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और जन-आधारित संबंधों के विपरीत था। खालिस्तान मुद्दे पर कनाडा में बढ़ती गतिविधियों, राजनीतिक आरोपों-प्रत्यारोपों और न्यायिक प्रक्रियाओं ने दोनों देशों के रिश्तों में गहरी खटास पैदा की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पूर्व कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के बीच दूरी सार्वजनिक रूप से दिखाई देती थी और कूटनीतिक संवाद लगभग ठहर-सा गया था। जस्टिन ट्रूडो ने राजनीतिक दबाव एवं स्वार्थ के चलते भारत से ऐतिहासिक संबंधों को धुंधलाया, जिसका खामियाजा उन्होंने भुगता भी है। लेकिन अब नई सरकार के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने नये जोश, आत्मीयता एवं संवेदनाओं के साथ भारत से दोस्ती का हाथ बढ़ाया है। बदलती वैश्विक परिस्थितियों, व्यापारिक अवसरों के विस्तार और नई आर्थिक-रणनीतिक जरूरतों ने दोनों पक्षों को यह अहसास कराया कि रिश्तों का ठहराव किसी भी तरह से फायदेमंद नहीं है। इसी समझ ने दोनों देशों को संवाद के नये पुल बनाने और पुराने अवरोधों को पीछे छोड़ने की दिशा में आगे बढ़ाया।

नरेंद्र मोदी और मार्क कार्नी की जी-20 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई मुलाकात इस बदलाव का एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित हुई। यह मुलाकात भले ही मुख्य सत्रों के इतर हुई, लेकिन उसका संदेश अत्यंत गहरा और दूरगामी था। यहां दोनों नेताओं ने व्यापार, निवेश और टेक्नोलॉजी इनोवेशन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति व्यक्त की। भारत और कनाड़ा के पास डिफेंस, स्पेस, क्रिटिकल मिनरल्स, एनर्जी और एजुकेशन समस्त कई क्षेत्रों में सहयोग एवं सहमति बढ़ाने के मौके हैं। यह सहमति केवल औपचारिकता नहीं बल्कि रिश्तों को एक नए मोड़ पर लाने का संकेत थी। कनाडा एक उभरती हुई टेक्नोलॉजी शक्ति है और भारत विश्व की सबसे बड़ी तकनीकी प्रतिभा का केंद्र बन चुका है। ऐसे में दोनों देशों के बीच टेक्नोलॉजी, इनोवेशन, स्टार्टअप्स, ऊर्जा और शिक्षा के क्षेत्र में अपार संभावनाएँ हैं जिनकी दिशा अब खोली जा रही है। वैसे भी भारत के स्टूडेंट्स के लिये अब भी कनाड़ा सबसे पसंदीदा जगहों में एक हैं। कनाडा अपने नागरिकता कानून में भी बदलाव करने जा रहा है, उससे भी भारतीयों को फायदा होने की व्यापक संभावनाएं है।

पीयूष गोयल के वक्तव्य में दिखती आर्थिक साझेदारी की दृष्टि इस बात का परिचायक है कि भारत और कनाडा अब केवल राजनीतिक संवाद से आगे बढ़कर व्यावहारिक सहयोग के नए आधार बना रहे हैं। 50 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार का लक्ष्य बेहद महत्वाकांक्षी है, लेकिन यह उन आर्थिक संभावनाओं का वास्तविक अनुमान भी है जो दोनों देशों की नीतियों, संसाधनों और क्षमताओं में मौजूद है। भारत कनाडा के लिए एक विशाल बाजार है और कनाडा भारत के लिए एक महत्वपूर्ण ऊर्जा, खनिज, कृषि और तकनीकी साझेदार। इसी परस्पर निर्भरता और जरूरत ने दोनों देशों को फिर से एक-दूसरे की ओर कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित किया है। अब जरूरी है कि विभिन्न स्तरों पर बातचीत जारी रखते हुए जल्द समझौते तक पहुंचा जाये।

हाल के वर्षों में दुनिया बहुध्रुवीय स्वरूप की ओर बढ़ रही है। अमेरिका, यूरोप, चीन, रूस और पश्चिम एशिया जैसे शक्ति केंद्रों के बीच उभर रही नई अनिश्चितताओं ने मध्यम और उभरती शक्तियों को नए साझेदार तलाशने के लिए विवश किया है। भारत और कनाडा इस वैश्विक संरचना में ऐसे दो देश हैं जिनके पास जनसांख्यिकीय शक्ति, आर्थिक संसाधन, शिक्षा-तकनीक की क्षमता और लोकतांत्रिक मूल्यों का साझा आधार मौजूद है। ऐसे में इन दोनों का साथ आना न केवल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आवश्यक है बल्कि एक नई वैश्विक संरचना के निर्माण में भी उपयोगी हो सकता है। यह संरचना सहयोग, नवाचार, जलवायु न्याय, हरित तकनीकों और स्थायी विकास पर आधारित हो सकती है। कनाडा में भारतीय मूल की बड़ी

आबादी दोनों देशों के रिश्तों को मानवीय और सामाजिक आधार भी देती है। जब भी रिश्तों में तनाव आया, प्रवासी भारतीय समुदाय उसके बीच पुल की तरह खड़ा दिखाई दिया है। यही समुदाय आर्थिक, शैक्षिक, सांस्कृतिक एवं व्यावसायिक रिश्तों को नई दिशा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है। यह समुदाय न केवल कनाडा के आर्थिक विकास का हिस्सा है बल्कि भारत-कनाडा संबंधों की गहरी कड़ी भी है। यही कारण है कि दोनों सरकारों ने इस सामाजिक संबंध को और मजबूत करने का प्रयास शुरू किया है जिससे गलतफहमियाँ कम हों, लोगों के बीच भरोसा बढ़े और राजनीतिक विवादों का असर द्विपक्षीय रिश्तों पर सीमित रहे।

वर्तमान दौर में भारत की वैश्विक छवि एक निर्णायक, प्रभावशाली और विश्व-हितैषी शक्ति के रूप में उभर रही है। प्रधानमंत्री मोदी की कूटनीतिक शैली, वैश्विक मंचों पर सक्रियता और विकास-शांति आधारित विदेश नीति ने भारत की स्थिति को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है। दूसरी ओर कनाडा भी एक स्थिर लोकतंत्र और बहुसांस्कृतिक देश के रूप में वैश्विक स्तर पर अपनी भूमिका को नए सिरे से परिभाषित कर रहा है। दोनों देशों की यह समान सोच और नई वैश्विक चुनौतियों के प्रति साझा दृष्टिकोण अब आपसी सहयोग के लिए अधिक अनुकूल अवसर पैदा कर रहा है। समीक्षा के इस चरण में यह स्पष्ट है कि भारत-कनाडा संबंधों में आया यह सकारात्मक मोड़ केवल कूटनीतिक औपचारिकता नहीं बल्कि गहरे आर्थिक, सामाजिक और रणनीतिक हितों पर आधारित है। मार्क कार्नी सरकार को भी यह समझ आ रही है कि भारत जैसे मजबूत साझेदार से दूरी कनाडा की आर्थिक और वैश्विक भूमिका के लिए सही नहीं। वहीं भारत भी उन देशों के साथ संबंधों का विस्तार चाहता है जो तकनीक, शिक्षा, कृषि, ऊर्जा और नवाचार के क्षेत्रों में मूल्यवान साझेदारी दे सकते हैं। यही वजह है कि दोनों देश अब नयी समझ विकसित करते हुए एक ऐसे दौर की ओर बढ़ रहे हैं जिसमें संवाद, सहयोग और परस्पर सम्मान केंद्रीय भूमिका निभाएंगे। अंततः यह कहा जा सकता है कि भारत और कनाडा के रिश्तों में शुरू हुई यह नई गर्माहट एक बड़े बदलाव का संकेत है। यह बदलाव न केवल आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा बल्कि वैश्विक शांति, नई तकनीक, हरित विकास और सामाजिक सौहार्द की दिशा में भी नई संभावनाएँ खोलेगा। दोनों देश यदि इसी सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ते रहे तो यह केवल द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती नहीं देगा, बल्कि एक नई विश्व संरचना के निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

अस्थिर करने की साजिश

नापाक पाक की ओर से सीमावर्ती राज्य पंजाब को अस्थिर करने की साजिश पिछली सदी से लगातार की जा रही है। लेकिन अब नशे का नश्तर सुनियोजित ढंग से इसके सीने पर जिस ढंग से चलाया जा रहा है, वह परेशान करने वाला है। पंजाब के पाक सीमा से लगे जिलों में नशीले पदार्थों की आपूर्ति लगातार जारी है। लेकिन अब इस साजिश में एक विचलित करने वाला अनैतिक मोड़ देखने को मिल रहा है। इसमें पाक स्थित ड्रग माफिया भारतीय सीमा में नाबालिगों को एक नशा आपूर्तिकर्ता के तौर पर भर्ती कर रहे हैं। यह कोई मामूली साजिश नहीं है, बल्कि एक खतरनाक प्रवृत्ति को बढ़ावा दिया जा रहा है। ये तकनीकी बदलावों, कानून की खामियों और सबसे बढ़कर बच्चों की मासूमियत का फायदा उठाने का कुत्सित प्रयास ही है। दरअसल, सीमा पार बैठे नशा माफिया कानून के छिद्रों व परिस्थितियों का लाभ उठाने से नहीं चूकते। अमृतसर, तरनतारन, फिरोजपुर और फाजिल्का के किशोरों को अपने जाल में फंसा रहे हैं। इन किशोरों में कई आर्थिक तंगी से जूझ रहे परिवारों से हैं। जिन्हें चंद रुपयों का प्रलोभन दिया जाता है। उन्हें स्मार्टफोनों का लालच भी दिया जाता है। इसके अलावा जो किशोर नशे की दलदल में धंस चुके हैं उनकी कमजोर नस को पकड़कर उन्हें मुफ्त ड्रग्स का लालच दिया जाता है। किसी भी देश के किशोरों का नशे के संजाल में फंसना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है। बच्चे भविष्य के भारत के कर्णधार होते हैं। यदि वे अभी से नशे की दलदल और नशीले पदार्थों की आपूर्ति में लग जाएंगे तो देश-समाज का भविष्य कैसा होगा, अंदाजा लगाना कठिन नहीं है। जिस काम को किशोर लालच से अंजाम दे रहे हैं, सही मायनों में वह बेहद खतरनाक है। वे ड्रोन से गिराए गए हेरोइन के पैकेट व कुछ मामलों में खतरनाक अवैध हथियार उठाते हैं और उन्हें ड्रग माफिया द्वारा बताए गए एजेंटों तक पहुंचाते हैं। दरअसल, आमतौर पर किशोरों की सामान्य सक्रियता को संदिग्ध नहीं माना जाता। उनका साफ-सुथरा रिकॉर्ड उन्हें कानून प्रवर्तन अधिकारियों की नजर से बचा लेता है। यदि नाबालिगों की गिरफ्तारी होती भी है तो वे भारतीय कानूनों के हिसाब से गंभीर सजा से बच जाते हैं। इस तरह, उनकी कम उम्र ही उन्हें सीमा पार बैठे नशे के तस्करों के लिये उपयोगी बना देती है। इन बच्चों के खिलाफ कार्रवाई करते समय प्रवर्तन एजेंसियों को उदार रवैया अपनाना चाहिए। दरअसल, कुछ बच्चे परिस्थितियों के मारे भी होते हैं। वे मूलतः अपराधी नहीं होते। कुछ शातिर अपराधी उनका इस्तेमाल करके इस अपराध की दलदल में धकेल देते हैं। सही मायनों में वे सीमा पार से रची गई साजिश और हमारी अपनी व्यवस्था की कमजोरियों के कुचक्र व उससे उपजी आपराधिक व्यवस्था में आसानी से फंस जाते हैं। असल में, भारतीय किशोर न्याय कानून का उद्देश्य नाबालिगों को सुधारना और सुरक्षा करना होता है। लेकिन इस कानून की मूल भावना का लाभ संगठित नेटवर्कों द्वारा अपने मंसूबों को अंजाम देने को उठाया जा रहा है। हम 21वीं सदी में नशे की तस्करी का मुकाबला बीसवीं सदी के उपायों से नहीं कर सकते हैं। कभी-कभार होने वाली गिरफ्तारियां, छिटपुट छापे और उदार चेतावनी अपर्याप्त कही जा सकती हैं। निश्चित रूप से अपराध की घातकता के अनुरूप ही प्रतिक्रिया देने की जरूरत है। सीमा की निगरानी व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाये जाने की सख्त आवश्यकता है। स्कूलों, पंचायतों, सामुदायिक नेताओं और नागरिक समाज को पहले ही चेतावनी प्रणालियां बनानी चाहिए, ताकि पहचान हो सके कि बच्चों की परवरिश किस ढंग से की जा सके।

2030 का कॉमनवेल्थ गेम्स अहमदाबाद में विश्व का स्वागत करने को तैयार

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद को मिलना न केवल भारत के लिए गौरव का क्षण है, बल्कि विकसित भारत की दिशा में उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम भी है। स्कॉटलैंड के ग्लासगो में आयोजित कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली की बैठक के अंत में यह घोषणा आधिकारिक रूप से मुहरबंद हुई, और 26 नवम्बर 2025 को अंतिम सहमति बनने के साथ ही भारत ने विश्व खेल मंच पर एक नया मील का पत्थर स्थापित कर दिया। यह अवसर केवल खेलों का आयोजन नहीं है, बल्कि भारत की युवा ऊर्जा, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, आधुनिक विकास मॉडल और वैश्विक नेतृत्व क्षमता का सामूहिक प्रदर्शन भी होगा।

अहमदाबाद, जिसे भारत के सबसे प्रगति शील और योजनाबद्ध शहरों में गिना जाता है, अब विश्व खेल संस्कृति का केंद्र बनने जा रहा है। 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स, कॉमनवेल्थ मूवमेंट के 100 वर्ष पूरे होने का उत्सव भी होंगे। इस तरह यह आयोजन केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि अगले सौ वर्षों की नींव रखने वाला ऐतिहासिक क्षण बन जाएगा। भारत के लिए यह जिम्मेदारी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि वह ऐसे समय में विश्व मंच पर उभर रही शक्ति के रूप में पहचान बना चुका है।आर्थिक शक्ति, सांस्कृतिक विरासत, तकनीकी नवाचार और खेल प्रतिभा आदि सबका संगम इस आयोजन में उजागर होगा।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 का अहमदाबाद में होना शहर और राज्य दोनों के विकास की कहानी को एक नई धार देगा। सबसे पहले, शहरी विकास को लेकर अहमदाबाद में अभूतपूर्व परिवर्तन देखने को मिलेंगे। आधुनिक खेल अधोसंरचना, विश्वस्तरीय स्टेडियम, अत्याधुनिक परिवहन सुविधाएँ, खिलाड़ियों और पर्यटकों के लिए विशेष आवास व्यवस्था, पर्यावरण-अनुकूल शहरी मॉडल और डिजिटल स्मार्ट व्यवस्थाएँ सब मिलकर अहमदाबाद को एक ग्लोबल स्पोर्ट्स सिटी में बदल देंगी। यह विकास केवल खेलों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि शहर के रोजमर्रा के जीवन में स्थायी बदलाव लाएगा। नई सड़कें, नए कनेक्टिविटी कॉरिडोर, सुरक्षित ट्रैफिक सिस्टम, हरित क्षेत्र और शहरी सौंदर्यीकरण की योजनाएँ शहर को अगले स्तर पर ले जाएँगी।

रोजगार के लिहाज से यह आयोजन युवाओं के लिए अवसरों की एक नई दुनिया खोलेगा। निर्माण क्षेत्र, होटल उद्योग, पर्यटन, परिवहन, तकनीकी सेवाएँ, सुरक्षा, स्वास्थ्य, मीडिया, इवेंट मैनेजमेंट और खेल प्रशिक्षण हर क्षेत्र में हजारों प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह आयोजन गुजरात के युवा कौशल और उद्यमिता को अंतरराष्ट्रीय मंच देगा, जिससे राज्य का आर्थिक परिदृश्य और मजबूत होगा। भारतीय खेल उद्योग, जो पहले से ही तेजी से उभर रहा है, इस आयोजन के माध्यम से और भी सशक्त होगा।

पर्यटन में वृद्धि कॉमनवेल्थ गेम्स का सबसे बड़ा प्रभावों में से एक होगा। दुनिया भर से लाखों पर्यटक, खिलाड़ी, अधिकारी, मीडिया प्रतिनिधि और खेल प्रेमी अहमदाबाद का रुख करेंगे। इसके साथ ही, गुजरात की समृद्ध सांस्कृतिक विरास जैसे साबरमती आश्रम, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, कच्छ रण, मोढेरा सूर्य मंदिर, दांडी, पाटन की रानी की वाव, द्वारका और सौराष्ट्र का तटीय सौंदर्य-वैश्विक स्तर पर नई पहचान पाएंगे। यह आयोजन केवल अहमदाबाद ही नहीं, पूरे गुजरात को विश्व पर्यटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थान दिलाएगा। कला, हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजन, लोकनृत्य और सांस्कृतिक उत्सवों को भी इस अवसर पर वैश्विक मंच मिलेगा।

भारतीय संस्कृति और सभ्यता को प्रोत्साहन देने के लिए भी 2030 के कॉमनवेल्थ गेम्स ऐतिहासिक सिद्ध होंगे। भारत की अतिथि देवो भवकी परंपरा दुनिया के सामने बड़े पैमाने पर प्रदर्शित होगी। उद्घाटन और समापन समारोहों में भारत की समृद्ध विरासत, आधुनिक आकांक्षाएँ और विविधता की भावना का संगम दिखेगा। दुनिया भारत को केवल एक खेल राष्ट्र के रूप में नहीं, बल्कि सांस्कृतिक, सभ्यता और मानवीय मूल्यों के केंद्र के रूप में देखेगी। कॉमनवेल्थ के 72 देशों की मित्रता, सहयोग और सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उत्सव अहमदाबाद में साकार होगा।

केंद्र सरकार, राज्य सरकार और कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया की सामूहिक भूमिका इस आयोजन की सफलता की कुंजी होगी। केंद्र सरकार का विकसित भारत 2047 का संकल्प वैश्विक आयोजनों के माध्यम से मजबूत हो रहा है। राज्य सरकार की सक्रियता और सुशासन मॉडल इस आयोजन के लिए आधार तैयार करेंगे, जबकि कॉमनवेल्थ गेम्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया खेल आयोजन की तकनीकी, संचालनात्मक और अंतरराष्ट्रीय मानकों की जिम्मेदारी निभाएगी। यह त्रिकोणिक समन्वय भारत की हासिल की जा चुकी प्रतिष्ठा और भविष्य की संभावनाओं को और विस्तृत करेगा।

कॉमनवेल्थ मूवमेंट के अगले सौ वर्षों की नींव 2030 के इस आयोजन से शुरू होगी। यह केवल खेलों का मंच नहीं, बल्कि एकता, मित्रता, सम्मान, शांति और प्रगति का वैश्विक संदेश है। दुनिया भर के खिलाड़ी, समुदाय और संस्कृतियाँ एक मंच पर आएंगी और यह आयोजन बताएगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा नहीं, बल्कि संस्कृतियों को जोड़ने, समाजों को प्रेरित करने और मानवता को आगे बढ़ाने का माध्यम भी है। भारत, अपनी युवा ऊर्जा और वैश्विक दृष्टिकोण के साथ, इस आंदोलन को नई दिशा देने के लिए तैयार है।

2030 का अहमदाबाद ऊर्जा, महत्वाकांक्षा और जुनून से भरा शहर दिखाई देगा।दुनिया का स्वागत करेगा। यह आयोजन भारत के बढ़ते आत्मविश्वास और वैश्विक भूमिका को स्थापित करेगा। यह साबित करेगा कि भारत केवल भविष्य की शक्ति नहीं, बल्कि वर्तमान का नेतृत्वकर्ता देश भी है। गुजरात और भारत के लिए यह सदी का अवसर है।जहाँ अतीत की गौरवशाली परंपराएँ, वर्तमान की चुनौतियाँ और भविष्य के सुनहरे सपने एक साथ मिलकर नया इतिहास रचेंगे।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030, इसीलिए, केवल खेलों का आयोजन नहीं बल्कि स्ङ्गह्यद्ग के विकसित होने की कहानी का सबसे उज्ज्वल अध्याय बनने जा रहा है।

(रु 103 जलवन्त टाऊनशिप पूणा बॉम्बे मार्केट रोड,नियर नन्दालय हवेली सूरत मो 99749 40324 वरीष्ठ पत्रकार, साहित्यकार, स्तम्भकार)

राजा का खजाना

फारस के शासक साइरस अपनी प्रजा की भलाई में जुटे रहते थे। लेकिन खुद उनका जीवन सादगी से भरा था। वह रियासत की सारी आमदनी व्यापार, उद्योग और खेतीबाड़ी में लगा देते थे। इस कारण शाही खजाना हल्का रहता था। लेकिन प्रजा खुशहाल थी। एक दिन साइरस के दोस्त और पड़ोसी शासक प्रोशियस उनके यहां आए। उनका मिजाज साइरस से बिल्कुल अलग था। उन्हें प्रजा से ज्यादा अपनी खुशहाली की चिंता रहती थी। उनका खजाना हमेशा भरा रहता था। बातों-बातों में जब प्रोशियस को साइरस के खजाने का हाल मालूम हुआ तो उन्होंने साइरस से कहा, अगर आप इसी तरह प्रजा के लिए खजाना लुटाते रहोगे तो एक दिन वह एकदम खाली हो जाएगा। आप कंगाल हो जाओगे। अगर आप भी मेरी तरह खजाना भरने लगें तो आपकी गिनती मेरी तरह सबसे धनी शासकों में होने लगेगी।

साइरस मुस्कराए फिर बोले आप दो दिन ठहरिए मैं इस मामले में लोगों का इम्तिहान लेना चाहता हूं। उन्होंने घोषणा करवा दी कि एक बहुत बड़े काम के लिए साइरस को दौलत की निहायत जरूरत है। उन्हें पूरी उम्मीद है कि प्रजा मदद करेगी। दो दिन पूरा होने से पहले ही शाही महल के बाहर मोहरों, सिक्कों व जेवरों का बड़ा ढेर लग गया। यह देख प्रोशियस हैरत में पड़ गए।

साइरस ने कहा, मैंने रियासत का खजाना लोगों की खुशहाली पर खर्च करके एक तरह से उन्हीं को सौंप दिया है। लोग उसमें इजाफा करते रहते हैं। मुझे जब जरूरत होगी वे मुझे लौटा देंगे जबकि तुम्हारा खजाना बांझ है, वह कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहा है।

विचार मंथन

स्वास्थ्य से खिलवाड़ करने वाली मिलावट से कैसे मिले छुटकारा

(लेखक- सनत जैन)

भारत जैसे विशाल और विविधताओं से परिपूर्ण देश में भोजन महज पोषण का स्रोत नहीं, बल्कि संस्कृति और परंपरा का आधार भी है। यहां खास तरह के खान-पान लोगों की पहचान भी होती हैं, जो कि आस्था से भी जुड़ जाते हैं। बावजूद इसके आज इस मजबूत आधार को लगातार नुक्सान पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है। यह कहते हुए अफसोस होता है कि आज खाद्य पदार्थों में मिलावट एक गंभीर और भयावह महामारी का रूप ले चुकी है। दूध, मसाले, मिठाइयाँ, तेल और यहां तक कि रोजमर्रा के उपयोग में आने वाली सामान्य वस्तुएँ भी मिलावट से मुक्त नहीं रहीं। दुर्भाग्य की बात यह है कि अब भुना हुआ चना, जो सदियों से पौष्टिक और सस्ता स्नैक माना जाता रहा है भी इस जहरीले खेल का शिकार हो गया है। हाल ही में यह तथ्य सामने आया है, कि बाजार में बिकने वाले चमकीले पीले भुने हुए चनों में औरामाइन नामक घातक इंडस्ट्रियल केमिकल की मिलावट की जा रही है। यह खुलासा न केवल चौंकाने वाला है बल्कि हमारे खाद्य सुरक्षा ढांचे की कमजोरियों को भी उजागर करता है। दरअसल औरामाइन वह रसायन है जिसका प्रयोग कपड़ा, चमड़ा और कागज जैसे उद्योगों में किया जाता है, पर खाद्य पदार्थों में इसका उपयोग पूरी तरह प्रतिबंधित है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की कैंसर रिसर्च एजेंसी (आईएआरसी) इसे संभावित कार्सिनोजन के रूप में वर्गीकृत कर चुकी है। लगातार सेवन करने पर यह लिवर, किडनी और ब्लैडर में कैंसर होने का खतरा कई गुना बढ़ा देता है, साथ ही नर्वस सिस्टम और अन्य अंगों पर भी गंभीर दुष्प्रभाव डालता है। यह स्थिति इसलिए भी चिंताजनक है क्योंकि मिलावट करने वाले इसका इस्तेमाल चने को आकर्षक दिखाने एवं मुनाफाखोरी के लिए कर रहे हैं। इसमें दो-राय नहीं कि चने का चमकीला रंग और कुरकुरेपन का अहसास उपभोक्ताओं को लुभाता है। वे नहीं जानते कि वो खाने के लिए क्या ले जा रहे हैं, अनजाने में ज़हर को खाद्य पदार्थ समझकर खुद भी खाते हैं और औरों को भी परोसते हैं। चने में हो रही मिलावट को सिद्ध करने के लिए सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिखाया गया है, कि गर्म पानी में चने डालते ही पानी पूरी तरह पीला हो जाता है। इस दावे में यदि थोड़ी भी सच्चाई है तो यह वाकई बहुत ज्यादा चिंता की बात है, क्योंकि भुने चने का सेवन सभी वर्ग के अधिकांश लोग करते हैं। इस संबंध में राज्यसभा सांसद प्रियंका चतुर्वेदी द्वारा स्वास्थ्य मंत्री और खाद्य प्रसंस्करण मंत्री को लिखी गई चिट्ठी इस समस्या की गंभीरता को रेखांकित करती है। उन्होंने राष्ट्रीय हेल्थ अलर्ट जारी करने, व्यापक जांच अभियान चलाने और दोषियों को कठोर दंड देने की मांग भी की है।

यहां यह समझ लिया जाना चाहिए कि यह मिलावट केवल फूड सेफ्टी एक्ट का उल्लंघन नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों के स्वास्थ्य के साथ सीधा खिलवाड़ है। ऐसे अपराध को किसी भी स्थिति में क्षम्य नहीं ठहराया जा सकता है। ऐसे में सवाल यही उठता है कि मिलावट रुपी इस समस्या की जड़ कहाँ है, और इससे छुटकारा कैसे मिलेगा? दरअसल पहले तो हमें यह स्वीकार करना होगा कि खाद्य सुरक्षा केवल सरकार या किसी एजेंसी विशेष की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति व समूह का दायित्व है। जहां तक सरकार और संबंधित विभागों की जिम्मेदारी की बात है तो इसके लिए उन्हें ज्यादा सजग होने की आवश्यकता है। सरकार के साथ ही एफएसएसएआई और राज्य स्तरीय खाद्य सुरक्षा विभागों को अचानक निरीक्षण, नमूना परीक्षण और दोषियों पर त्वरित कानूनी कार्रवाई को और अधिक सख्ती से लागू करना होगा। यह भी सच है कि आज भी देश में खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की कमी है, जिससे बड़े पैमाने पर निगरानी करना कठिन हो जाता है। इस दिशा में संसाधनों और जनशक्ति में वृद्धि अत्यावश्यक है। इसमें उपभोक्ताओं की जागरूकता सबसे बड़ा हथियार है। लोगों को यह समझना होगा कि अत्याधिक चमकीले रंग, तेज गंध या असामान्य रूप-रूपांतर रखने वाले खाद्य पदार्थों से सतर्क रहें। इसके अलावा हमें शिकायत प्रणाली को मजबूत और सरल बनाना होगा। हर नागरिक को यह अधिकार और आत्मविश्वास होना चाहिए कि वह संदिग्ध खाद्य पदार्थों की शिकायत एफएसएसएआई, स्थानीय प्रशासन या उपभोक्ता फोरम में दर्ज करा सके। मिलावटखोरी के खिलाफ लड़ाई केवल कानून और दंड से नहीं जीती जा सकती है, बल्कि मिलावट रुपी राक्षस को नैतिकता और जिम्मेदारी के दम पर हराया जा सकता है। जब तक समाज में ईमानदारी और उपभोक्ता स्वास्थ्य के प्रति संवेदनशीलता विकसित नहीं होगी, तब तक कोई भी कानून पूर्ण प्रभावी सिद्ध नहीं हो सकेगा। अब वाकई वह समय आ गया है, जबकि मिलावट को सामान्य मानने की प्रवृत्ति से बाहर निकलना होगा। भोजन में जहर की अनुमति नहीं दी जा सकती, न बाजार में, न नीतियों में और न ही हमारी उदासीनता में। मानव स्वास्थ्य के साथ किया जाने वाला यह खिलवाड़ का खेल अब बंद होना ही चाहिए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मायटीवीएस अफ्रीका और यूरोप के बाजारों में वाणिज्यिक पेशकश पर कर रही विचार

2027 तक 2500 मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क बनाने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य

नई दिल्ली टीवीएस मोबिलिटी समूह की इकाई मल्टी-ब्रांड आफ्टरमार्केट चेन मायटीवीएस ने कहा है कि वह अपने वैश्विक विस्तार के हिस्से के रूप में अफ्रीका और यूरोप जैसे बाजारों में वाणिज्यिक पेशकश पर विचार कर रही है। मायटीवीएस ने 2027 तक 2,500 मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क बनाने का महत्त्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। फिलहाल इसकी संख्या 1200 है। कंपनी यह कवायद तब कर रही है जब उसने 5.2 करोड़ कार सेवा सदस्यता में से 1 करोड़ सक्रिय सेवा सदस्यता हासिल की है। विदेशी योजना कंपनी द्वारा नवंबर की शुरुआत में ट्रांसगार्ड समूह के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के बाद आई है, जिसका उद्देश्य संयुक्त अरब अमीरात में वाहन, विमानन और आपूर्ति श्रृंखला क्षेत्रों को बदलना है। मायटीवीएस के प्रबंध निदेशक ने कहा कि हम जल्द ही अफ्रीका और यूरोप में वाणिज्यिक परिचालन शुरू करेंगे। हमारे लिए अफ्रीका और पश्चिम एशिया फोकस बाजार हैं। कुल मल्टी-ब्रांड सेवा नेटवर्क में से यह पहले से ही केंद्रों के एक बड़े हिस्से में इलेक्ट्रिक सेवाएं प्रदान कर रही है। उन्होंने कहा कि हमने सर्विस बाजार में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। हमारे पास एक करोड़ सक्रिय सेवा सबस्क्रिप्शन हैं।

एस इंटरनैशनल ने जुटाए 305 करोड़ रुपए, वैश्विक निवेशक में मची होड़

कंपनी के चेयरमैन बोले- हम इस सपने को वैश्विक स्तर पर ले जाने को तैयार

नई दिल्ली खाद्य और पोषण सामग्री क्षेत्र की कंपनी एस इंटरनैशनल लिमिटेड ने डच उद्यमिता विकास बैंक- एफएमओ, स्विट्जरलैंड की निवेश कंपनी- रिस्पॉन्सएबिलिटी, बेल्जियम की निवेश कंपनी- इनकोफिन और फिडलिन वेंचर्स से 305 करोड़ रुपए की रकम जुटाई है। इस पूंजी से आंध्रप्रदेश के कप्पम में नई एकीकृत डेरी सामग्री और पोषण इकाई और परिसर बनाने में मदद मिलेगी। एस इंटरनैशनल के संस्थापक और चेयरमैन संजीव गोयल ने कहा कि यह साझेदारी रकम जुटाने की तुलना से कहीं ज्यादा है, यह उद्देश्य को आगे बढ़ाती है। उन्होंने कहा कि हमने एक विश्वास के साथ एस को बनाया है कि खाद्य प्रौद्योगिकी में नवाचार से सभी के लिए बेहतर कारोबारी परिणाम और पोषण दोनों को ही बढ़ावा मिले। इस निवेश के साथ हम इस सपने को वैश्विक स्तर पर ले जाने को तैयार हैं। कप्पम की यह इकाई एशिया में पहली बार शुरू की जा रही डेरी पोषण क्षेत्र की अति आधुनिक प्रोसेसिंग तकनीक में सबसे आगे रहेगी। यह आधुनिक विनिर्माण इकाई दुनिया भर में ऐसी कुछ इकाइयों में से एक होगी। यह विशेष रूप से तैयार बेहतर प्रदर्शन करने वाली ऐसी पोषण सामग्री बनाने में सक्षम होगी, जो वैश्विक खाद्य और पोषण ब्रांडों की बदलती जरूरतों को पूरा करेगी। वर्टिकली इंटीग्रेटेड टॉय-टेक स्टार्टअप कंपनी मिराना टॉयज ने एक्सेल, इन्फो एज और रिवरवॉक होल्डिंग्स की भागीदारी के साथ आर्कम वेंचर्स की अगुआई में 57.5 करोड़ रुपए जुटाए है। यह रकम सीरीज ए दौर में जुटाई गई। इस रकम का इस्तेमाल नई फैक्टरी बनाने में किया जाएगा, जिसमें इंजेक्शन-मोल्डिंग और डाई-कास्टिंग मशीनें लगाने के साथ-साथ इन-हाउस पैकेजिंग लाइनों की स्थापना शामिल है। इन पहल से कंपनी को देसी और निर्यात की बढ़ती मांग पूरी करने के लिए मासिक उत्पादन बढ़ाने में मदद मिलेगी। मिराना अंतरराष्ट्रीय वृद्धि तेज करने के लिए अपनी डिजाइन और बिक्री टीमों के विस्तार की भी योजना बना रही है। चूंकी वैश्विक ब्रांड चीन-प्लस-वन रणनीति के तहत आपूर्ति श्रृंखला में विविधता ला रहे हैं, इसलिए भारत वैश्विक विनिर्माण केंद्र रूप में तेजी से उभर रहा है।

तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में तूफानी तेजी, 7 फीसदी उछलकर 515 पर पहुंचा

एयरटेल ने पिछले दिनों सिग्नल उपकरणों की गुणवत्ता पर उठाए थे सवाल

नई दिल्ली

टाटा ग्रुप कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में तूफानी तेजी आई। तेजस नेटवर्क्स के शेयर गुरुवार को 500 रुपए के ऊपर पहुंचे गए। कंपनी के शेयर गुरुवार को बीएसई में 7 फीसदी से ज्यादा उछलकर 515 रुपए पर पहुंच गए। तेजस नेटवर्क्स के शेयर पिछले कुछ महीनों से दबाव में हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार को 52 हफ्ते के निचले स्तर 474.50 रुपए पर थे।

52 हफ्ते के उच्चतम स्तर से तेजस नेटवर्क्स के शेयर 66 फीसदी से ज्यादा टूट गए थे।

रिपोर्ट के मुताबिक टेलिकॉम कंपनी एयरटेल ने पिछले दिनों तेजस नेटवर्क्स के सिग्नल उपकरणों की गुणवत्ता पर सवाल उठाए थे। तेजस नेटवर्क्स ने इसके जवाब में कहा कि उसके टेलिकॉम उपकरण इंडस्ट्री के जरूरी क्वॉलिटी स्टैंडर्ड्स को पूरा करते हैं। तेजस नेटवर्क्स ने कहा है कि चूंकि, हमारे उपकरण सभी राज्यों की 100,000 साइट्स पर

दूसरे ऑपरेटर्स के इक्विपमेंट के साथ मौजूद हैं और वहां कोई व्यवधान से जुड़े मामले नहीं हैं। ऐसे में केवल एक राज्य में एक बैंड पर यह खराब गुणवत्ता वाले नहीं हो सकते हैं।

विशाखापत्तनम में बनेगा एआई सक्षम 1 गीगावॉट कर आधुनिक डेटा सेंटर

2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा

नई दिल्ली ब्रुकफील्ड, रिलायंस इंडस्ट्रीज और डिजिटल रियल्टी के संयुक्त उद्यम- डिजिटल कनेक्शन ने गुरुवार को आंध्रप्रदेश के विशाखापत्तनम में एआई सक्षम 1 गीगावॉट वाला अति आधुनिक डेटा सेंटर बनाने की घोषणा की। इस पर 2030 तक पांच साल की अवधि में करीब 11 अरब डॉलर का निवेश होगा। इससे ठीक एक महीने पहले गूगल ने विशाखापत्तनम में 15 अरब डॉलर के निवेश से वैश्विक स्तर का एआई संचालित डेटा सेंटर बनाने की योजनाओं के बारे में बताया था। गूगल का अमेरिका के बाहर यह अब तक का सबसे बड़ा निवेश है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह डेटा सेंटर 400 एकड़ भू-क्षेत्र पर फैला होगा। 14 नवंबर को रिलायंस ने घोषणा की थी कि वह पूरी तरह से मॉड्यूलर, भविष्य के लिहाज से तैयार 1 गीगावॉट का एआई डेटा सेंटर बनाएगी और यह दुनिया के सबसे आधुनिक ग्राफिक्स प्रोसेसिंग यूनिट्स (जीपीयू), टेंसर प्रोसेसिंग यूनिट्स (टीपीयू) और एआई प्रोसेसर को होस्ट करने के लिहाज से बनाया जाएगा। इस समझौते पर विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट 2025 के पहले दिन सीएम चंद्रबाबू नायडू, आईटी और उद्योग मंत्री नारा लोकेश तथा रिलायंस इंडस्ट्रीज के कार्यकारी निदेशक पीएमएस प्रसाद की मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए थे। कंपनी के मुताबिक उसके डेटा सेंटर एआई वर्कलोड की निरंतर मदद के लिए बनाए गए हैं, जो हाइपरस्केलर और उद्यमों को भविष्य के लिहाज से तैयार सिस्टम, दमदार सबस्टेशन, प्रचुर बिजली और रैक डेंसिटी के साथ अगले दशक के नवाचारों को संचालित करने में मदद करेंगे।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुआ

सेंसेक्स 110 अंक ऊपर आया, निफ्टी 26,215 पर पहुंचा

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल एशियाई और अन्य बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 110.87 अंक करीब 0.13 फीसदी बढ़कर 85,720.38 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान ये 86,055.86 का नये शीर्ष स्तर पर पहुंचा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 10.25 अंक की हल्की बढ़त के साथ 26,215.55 पर बंद हुआ। दिन भर के कारोबार के दौरान यह अपने पुराने शीर्ष स्तर 26,277 को तोड़कर 26,310.45 के नये उच्च स्तर पर पहुंचा। आज निफ्टी बैंक भी 59,866.60 के नये उच्च स्तर पर पहुंचा। यह कारोबार के अंत में 209.25 अंक करीब 0.35 फीसदी की तेजी के साथ 59,737.30 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में बजाज फाइनेंस, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, एचयूएल, एचसीएल टेक, एचडीएफसी बैंक, इन्फोसिस, एलएंडटी, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, सन फार्मा और एनटीपीसी गेनर्स थे। मारुति सुजुकी, इटरनल (जोमैटो), अल्ट्राटेक सीमेंट, एसबीआई, टाटा स्टील, टीसीएस, टेक महिंद्रा, ट्रेंट, भारती एयरटेल, पावर ग्रिड, बीईएल, एक्सिस बैंक और एमएंडएम के शेयर गिरे।

वहीं लार्जकैप की अपेक्षा मिडकैप और स्मॉलकैप में मिश्रित कारोबार हुआ। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 51 अंक की हल्की तेजी के साथ 61,113 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 95 अंक फिसलकर 17,876 पर बंद हुआ। सेक्टोरल आधार पर ऑटो, पीएसयू बैंक, मेटल, रियल्टी, एनर्जी, इन्फा, कमोडिटीज, कंजप्शन और पीएसई बढ़त पर बंद हुए। वहीं, प्राइवेट बैंक, आईटी, फाइनेंशियल सर्विसेज, फार्मा, एफएमसीजी औ सर्विसेज के शेयर नीचे आये।

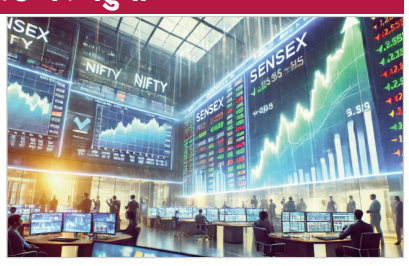

आज कारोबारी सत्र उतार-चढ़ाव भरा रहा। दिन के दौरान सेंसेक्स और निफ्टी ने नया उच्चतम स्तर बनाया पर इसके बाद बाजार नीचे आने लगा।

वहीं इससे पहले आज सुबह एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों से भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त पर हुयी। शुरुआती कारोबार में वित्तीय सेवा, धातु और वाहन क्षेत्र में खरीदारी दर्ज की गयी। सुबह सेंसेक्स 268.37 अंक उछलकर 85,877.88 स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 72.40 अंक बढ़कर 26,277.70 स्तर पर था। निफ्टी बैंक 213.85 अंक करीब 0.36 फीसदी की बढ़त के साथ 59,741.90 स्तर पर कारोबार कर रहा था जबकि निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 119.55 अंक ऊपर आकर 61,181.25 स्तर पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 27.90 अंक या 0.16 फीसदी की तेजी के साथ 17,999.75 स्तर पर था। एशियाई बाजारों में भी तेजी देखी गई, खासकर जापान का निकेटी और दक्षिण कोरिया का कोस्पी ऊपर आकर खुले। एसएंडपी 500 0.69 फीसदी और तकनीकी शेयरों वाला नैस्डैक 0.82 फीसदी बढ़ा। बाजार में यह बढ़त ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से प्रेरित रही। विदेशी मुद्रा बाजार में भी बढ़त रही है।

हरियाणा में बिका सबसे महंगा वीआईपी नंबर, 1.17 करोड़ की लगी बोली

चंडीगढ़ वीआईपी नंबर प्लेटों की ऑनलाइन नीलामी में रिकॉर्ड टूट गया। यह रिकॉर्ड हरियाणा में टूटा है। फैंसी नंबर एचआर88बी8888 ने बोली के दौरान 1.17 करोड़ रुपए का आंकड़ा छू लिया। यह अब तक का देश का सबसे महंगा नंबर है। ये नंबर चरखी दादरी के बाढड़ा का है। इस नंबर के लिए कुल 45 लोगों ने आवेदन किया था। बोली खत्म होते-होते शाम हो गई और कीमत 1.17 करोड़ रुपए पर पहुंच गई, जो अब तक का सबसे महंगा वाहन नंबर बन गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक 4500 रुपए में वीआईपी नंबर के लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन होता है, जिसमें अलग-अलग लोग अलग-अलग नंबर के लिए ऑनलाइन बोली लगाते हैं और इसके लिए पांच दिन का समय होता है। दिन के अंदर नंबर ब्लॉक करना होता है और बोली लगाई हुई फीस कटवानी होती है। अगर फीस नहीं कटवाते तो 4500 रुपए ब्लॉक हो जाते हैं। वह रिफंड नहीं होते और वह बोली से बाहर हो जाता है।

2026 के आखिर तक 30,000 पर पहुंचेगा निफ्टी

इक्विटी बाजार के लिए मजबूत सहारा साबित होगी

नई दिल्ली

ग्लोबल निवेश बैंकिंग दिग्गज जेपी मॉर्गन ने भारतीय शेयर बाजार को लेकर अपना रुख और मजबूत कर दिया है। कंपनी ने भारत के बेंचमार्क निफ्टी 50 इंडेक्स का बेस-केस लक्ष्य बढ़ाकर 2026 के आखिर तक 30,000 कर दिया है। हाल की रिपोर्ट में जेपी मॉर्गन ने कहा कि स्थिर राजकोषीय और मौद्रिक नीति, घरेलू मांग में मजबूती और बेहतर होते आर्थिक संकेतक भारतीय इक्विटी बाजार के लिए मजबूत सहारा साबित होगी।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की बढ़ती उम्मीद और विदेशी पूंजी प्रवाह से अनुकूल वैश्विक रुझानों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी गुरुवार को अपने-अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। बीएसई सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 416.67 अंक उछलकर 86,026.18 अंक के नए रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। इससे पहले 27 सितंबर 2024 को यह

85,978.25 अंक पर पहुंचा था। एनएसई निफ्टी 101.65 अंक की बढ़त के साथ 26,306.95 अंक के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी ने इससे पहले 27 सितंबर 2024 को कारोबार में 26,277 अंक के उच्च स्तर को छुआ था। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, बजाज फिनसर्व, एशियन पेंट्स, एचडीएफसी बैंक और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे ज्यादा फायदे में रहे।

सर्दी परिधानों के खुदरा विक्रेता को तीसरी तिमाही में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद

नई दिल्ली परिधानों के खुदरा विक्रेता चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में दो अंकों की वृद्धि की उम्मीद की जा रही हैं क्योंकि सर्दियों के कपड़ों की बिक्री बढ़ने लगी है। परिधान ब्रांड ग्लोबल रिपब्लिक के सह-संस्थापक और मुख्य कार्याधिकारी ने हाल में रिटेल इंडिया समिट ऐंड एक्सपो (राइज) के मौके कहा कि इस साल मनोबल काफी ज्यादा है क्योंकि सर्दी पहले आ गई। यह सीजन ज्यादा जोरदार होने की उम्मीद है। इसलिए आने वाले महीने में मांग बढ़ने की उम्मीद है। हमें दो अंकों की वृद्धि हासिल होने की काफी उम्मीद है। मौसम विभाग के मुताबिक 27 नवंबर से 3 दिसंबर के बीच देश के ज्यादातर हिस्सों में न्यूनतम तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस कम रहने के आसार हैं, पूर्वोत्तर भारत और पश्चिमी हिमालय क्षेत्र को छोड़कर, जहां इस सप्ताह तापमान सामान्य से 2 से 4 डिग्री सेल्सियस ज्यादा रहने की संभावना है। इसका मतलब यह है कि परिधानों के खुदरा विक्रेताओं के लिए नवंबर से जनवरी का समय पिछले साल की तुलना में ज्यादा जोरदार रहेगा। लैकोस्टे इंडिया के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्य अधिकारी ने कहा कि इस साल मौसम ने हमें अच्छे सीजन की उम्मीद जगाई है। कड़ी ठंड पड़ने वाली है और हम नवंबर से दो अंकों की अच्छी वृद्धि की उम्मीद की जा रही है।

अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर मचा रहे धमाल.....लगातार दूसरे दिन 5 प्रतिशत का उछाल

मुंबई

अनिल अंबानी के मालिकाना हक वाली कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में लगातार धमाल मचा रहे है। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर दूसरे दिन गुरुवार को बीएसई में 5 प्रतिशत उछलकर 166.95 रुपये पर पहुंचे हैं। कंपनी के शेयर बुधवार को भी 5 प्रतिशत के अपर सर्किट के साथ 159 रुपये पर बंद हुए थे। इसके पहले, रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर लगातार 6 दिन लुढ़के हैं। कंपनी के शेयर मंगलवार 25 नवंबर को 52 हफ्ते के नए निचले स्तर 149.85 रुपये पर जा पहुंचे थे। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 425 रुपये है।

अनिल अंबानी समूह की कंपनी रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर बीते 6 माह में 45 प्रतिशत से अधिक टूट गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर 27 मई 2025 को 306.85 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 27 नवंबर 2025 को 166.95 रुपये पर जा पहुंचे हैं। बीते एक महीने में रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयरों में 25 प्रतिशत से अधिक की गिरावट दिखाई दी है। वहीं, इस साल अब तक अनिल अंबानी की कंपनी के शेयर 47 प्रतिशत से अधिक लुढ़क गए हैं। रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के शेयर अपने 52 हफ्ते के हाई से 60 प्रतिशत से ज्यादा टूट गए हैं। वहीं रिलायंस पावर के शेयरों में भी लगातार दूसरे दिन तेजी रही है। रिलायंस पावर के शेयर गुरुवार को 3 प्रतिशत की तेजी के साथ 40.79 रुपये पर जा पहुंचे हैं। रिलायंस पावर के शेयर बुधवार को 5 प्रतिशत से अधिक के उछाल के साथ बीएसई में 39.47 रुपये पर बंद हुए थे। अनिल अंबानी की पावर कंपनी के शेयर

पिछले छह महीने में 20 प्रतिशत से अधिक टूट गए हैं। बीते एक महीने में कंपनी के शेयरों में करीब 9 प्रतिशत की गिरावट आई है। रिलायंस पावर के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 76.49 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 31.30 रुपये है।

2026 में समग्र विज्ञापन उद्योग में होगी मामूली बढ़ोतरी

नई दिल्ली

। इस साल की पहली छमाही में धीमी वृद्धि और पैसे वाले खेलों पर बैन के बाद उद्योग के अधिकारियों को लगता है कि 2026 में समग्र विज्ञापन उद्योग में मामूली बढ़ोतरी हो सकती है। यह एक अंक में सीमित होगी और इसे डिजिटल श्रेणी से बल मिलेगा। हालांकि डिजिटल श्रेणी के दो अंकों में वृद्धि जारी रहने की उम्मीद है क्योंकि इसका योगदान बढ़ रहा है और अब कुल विज्ञापन खर्च में करीब आधा योगदान देता है।

मीडिया रिपोर्ट में उद्योग के एक अधिकारी के हवाले से बताया गया है कि यह तब हो रहा है जब देश में 45 फीसदी कॉरपोरेट फर्म विज्ञापन के लिए डिजिटल को प्राथमिकता देती हैं। इस साल फरवरी में डेंटसु ई4एम डिजिटल रिपोर्ट 2025 के मुताबिक भारत के विज्ञापन उद्योग को 2025 में 6.5 फीसदी की दर से बढ़ने का अनुमान लगाया था। इस साल के आखिर तक 1.1 लाख रुपए के बाजार आकार तक पहुंचने की उम्मीद थी और इसका प्रमुख नेतृत्व डिजिटल श्रेणी द्वारा किए जाने की बात कही गई थी।

हवास की कंपनी पाइवट रूट्स के संस्थापक और मुख्य कार्य अधिकारी शिबू शिवनंदन ने कहा कि कुल विज्ञापन खर्च में करीब

46 फीसदी हिस्सेदारी डिजिटल श्रेणी के होने की उम्मीद है और अनुमान जताया है कि यह 12 से 14 फीसदी सालाना चक्रवृद्धि दर से बढ़ रहा है।

हवास प्लेे के सीओओ ने बताया कि 2025 में अधिकांश वृद्धि डिजिटल-प्रथम श्रेणियों जैसे वित्तीय प्रौद्योगिकी, ई-कॉमर्स और सीधे उपभोक्ता आधारित रोजमर्रा के सामान वाले ब्रांडों में देखी जाएगी। अगले साल लीनियर टीवी, ओओएच, रेडियो, प्रिंट जैसे पारंपरिक श्रेणियों के निम्न से मध्य एक अंकों में बढ़ने की उम्मीद है। इसके अलावा, टीवी और आउटडोर विज्ञापन श्रेणी उच्च-प्रभाव वाले कार्यक्रमों और क्षेत्रीय पहुंच से लाभान्वित होते रहेंगी। उन्होंने कहा कि हमें उम्मीद है कि 2026 में इस साल के मुकाबले में थोड़ा बेहतर होगा, जिसका नेतृत्व ज्यादा आत्मविश्वासपूर्ण उपभोग वातावरण और सामग्री, खेल और डिजिटल पारिस्थितिकी प्रणालियों में बढ़े हुए ब्रांड खेल द्वारा किया जाएगा।

यह साल उद्योग के लिए मध्य-एक अंकों की वृद्धि के साथ समाप्त होगा।

30 नवंबर तक ये जरुरी काम कर लें.....केंद्र सरकार के वे कर्मचारी

नई दिल्ली

केंद्र सरकार के वे कर्मचारी जो नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) से यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) में स्विच होना चाहते हैं, उन्हें 30 नवंबर तक अपना विकल्प चुनना जरुरी है। अंतिम तारीख अब कुछ ही दिनों में आने वाली है, इसकारण वित्त मंत्रालय ने सभी पात्र कर्मचारियों और सेवानिवृत्त लोगों से निर्धारित समय सीमा से पहले आवेदन दाखिल करने की अपील की है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि जो भी कर्मचारी या पेंशनर यूपीएस के तहत मिलने वाले लाभ पाना चाहते हैं, वे 30 नवंबर 2025 से पहले अपना अनुरोध अवश्य जमा करें। यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन स्कीम, जिसे जनवरी 2025 में अधिसूचित किया था, केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए एनपीएस का एक नया विकल्प है। इस 1 अप्रैल 2025 से लागू किया गया है। यूपीएस की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह महंगाई से जुड़ी हुई गारंटीड पेंशन प्रदान करता है। यह एक कॉन्ट्रिब्यूटरी स्कीम है, जिसमें कर्मचारी को अपने बेसिक पे + डीए का 10 प्रतिशत योगदान देना होगा, जबकि नियोक्ता यानी केंद्र सरकार 18.5 प्रतिशत योगदान देगी। यह व्यवस्था एनपीएस की तुलना में अधिक स्थिर और पूर्वानुमेय पेंशन का वादा करती है। क्या यूपीएस, एनपीएस का हिस्सा है?

हां। यूपीएस पूरी तरह नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के ढांचे के भीतर संचालित होने वाली स्कीम है। इस पीएफआरडीए द्वारा विनियमित किया जाता है और यह सेवा में मौजूद तथा कुछ शर्तों को पूरा करने वाले सेवानिवृत्त दोनों के लिए उपलब्ध है। यूपीएस के तहत कर्मचारियों को अंतिम 12 महीनों के औसत बेसिक पे का 50 प्रतिशत पेंशन के रूप में मिलता है, बशर्ते कर्मचारी ने कम से कम 25 वर्ष की सेवा पूरी की हो।

आईएमएफ ने रुपए की विनिमय दर व्यवस्था के लिए 'फ्लोटिंग' लेबल फिर किया तय

रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा में कम हस्तक्षेप का दिया हवाला

नई दिल्ली

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने रुपए की विनिमय दर व्यवस्था के लिए 'फ्लोटिंग' लेबल को फिर से तय किया है। इसको लेकर समय में रिजर्व बैंक द्वारा विदेशी मुद्रा में कम हस्तक्षेप का हवाला दिया है। 2023 में आईएमएफ ने फ्लोटिंग तमगे को हटा दिया था और भारत की वास्तविक विनिमय दर नीति को 'स्थिर व्यवस्था' बताया था जिससे संकेत मिलता है कि केंद्रीय बैंक विदेशी मुद्रा बाजार में बहुत ज्यादा और बार-बार हस्तक्षेप कर रहा था।

आईएमएफ द्वारा अपने बोर्ड को प्रस्तुत 'भारत पर 2025 की स्टाफ रिपोर्ट' में कहा गया है कि रुपये की विनिमय दर अंतरबैंक बाजार में तय की जाती है जहां आरबीआई अक्सर हस्तक्षेप करता है। आरबीआई अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप करता है। भारत की विनिमय दर व्यवस्था फ्लोटिंग है और इसकी वास्तविक विनिमय दर व्यवस्था को क्रॉल जैसी व्यवस्था के रूप में वर्गीकृत किया गया है। मीडिया रिपोर्ट में आईएमएफ के मुताबिक क्रॉल-जैसी व्यवस्था का तात्पर्य किसी देश और उसके व्यापारिक भागीदारों के बीच मुद्रास्फीति के अंतर को दर्शाने के लिए मुद्रा में छोटे, क्रमिक समायोजन से है। स्थिर व्यवस्था एक ऐसी प्रणाली को संदर्भित करती है जहां केंद्रीय बैंक के हस्तक्षेप के जरिए किसी मुद्रा की हाजिर बाजार दर को लंबी अवधि, आम तौर पर छह महीने या उससे ज्यादा के लिए एक संकुचित दायरे में रखा जाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डब्ल्यूपीएल 2026 नीलामी में दीप्ति को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा

सोफी को गुजरात ने 2 करोड़ रुपये में शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग क्रिकेट (डब्ल्यूपीएल) 2026 के लिए यहां हुई पहली मेगा में कुल 277 खिलाड़ी शामिल हुई। इसमें 194 भारतीय और 83 विदेशी खिलाड़ी शामिल हुईं। इसमें इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टोन को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में ज जबकि ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। दीप्ति शर्मा को यूपी ने 3.2 करोड़ रुपये में खरीदा। न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन को गुजरात जायंट्स ने 2 करोड़ रुपये में खरीदा। अमेलिया को 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस ने अपने साथ जोड़ा। वहीं ऑस्ट्रेलिया की एलिसा हीली को नहीं मिला खरीदार। इस मैगा नीलामी में अधिक से अधिक 73 खिलाड़ियों को ही खरीदा जा सकेगा। इसमें पांच टीमों में 50 भारतीय और 23 विदेशी खिलाड़ी के लिए ही स्लॉट है। हर फ्रेंजाइजी अपने स्क्वॉड में कम से कम 15 और ज्यादा से ज्यादा 18 प्लेयर ही शामिल कर सकती है।

इससे पहले टीमों ने कुल 17 खिलाड़ियों को रिटेन किया था, जिनमें 7 विदेशी और 3 अनकैप्ड हैं। ऐसे में टीमें अपने 2025 स्क्वॉड के खिलाड़ियों को वापस पाने के लिए राइट टू मैच (आरटीएम) कार्ड का इस्तेमाल कर सकती हैं। जिन फ्रेंचाइजी ने कम खिलाड़ियों को रिटेन किया, उसके पास खिलाड़ियों को खरीदने के लिए मोटी रकम है। हर टीम का पर्स 15 करोड़ रुपये, जिसमें रिटेंशन भी शामिल है। मुम्बई और दिल्ली आरटीएम इस्तेमाल नहीं कर सकेंगी क्योंकि उन्होंने पांच खिलाड़ियों को रिटेन किया है

यूपी वॉरियर्स : दीप्ति शर्मा ,सोफी और लैनिंग

स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा यूपी वॉरियर्स में ही रहेंगी। उन्हें यूपी ने 3.2 करोड़ में लिया है। डीसी ने दीप्ति में दिलचस्पी दिखाई लेकिन यूपी ने आरटीएम कार्ड का इस्तेमाल कर बाजी मार ली। वह महिला वनडे वर्ल्ड कप 2025 में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रही थीं।

इंग्लैंड की सोफी को यूपी वॉरियर्स ने 85 लाख रुपये में खरीदा है। यूपी ने आरटीएम ऑप्शन से सोफी को खरीदा। वहीं यूपी ने ऑस्ट्रेलिया की पूर्व कप्तान मेग लैनिंग को 1.90 करोड़ रुपये में लिया। लैनिंग का आधारमूल्य 50 लाख था। वह पिछले तीन सीजन दिल्ली के लिए खेलीं।

मुंबई इंडियंस : अमेलिया केर

अमेलिया केर 3 करोड़ में मुंबई इंडियंस के साथ बनी रहेंगी। न्यूज़लैंड की ऑलराउंडर के लिए मुंबई और यूपी वॉरियर्स के बीच बिडिंग वॉर देखने को मिली। गुजरात जायंट्स ने तेज गेंदबाज रेणुका सिंह को 60 लाख रुपये में लिया है।

गुजरात जायंट्स : सोफी डिवाइन

न्यूजीलैंड की दिग्गज प्लेयर सोफी डिवाइन गुजरात जायंट्स का हिस्सा बन गई हैं।

उन्हें जीजी ने दो करोड़ रुपये में खरीदा। दिल्ली ने 1.9 करोड़ तक की बोली लगाई लेकिन बाजी जीजी ने मारी। उनका बेस ब्राइस 50 लाख था।

वहीं 50 लाख रुपये आधार मूल्य वाली ऑस्ट्रेलिकया की दिग्गज खिलाड़ी एलिसा हीली को कोई खरीदार नहीं मिला।

शुभमन बोले, टीम और मजबूत होकर उभरेगी

शांत समुद्र नहीं तूफान ही रास्ता दिखाता है

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेटट टीम के कप्तान शुभमन गिल ने दक्षिण साउथ अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट सीरीज में हार पर निराशा जतायी है। शुभमन इस सीरीज के पहले टेस्ट में गर्दन में आई जकड़न के बाद बाहर हो गये थे। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। भारतीय टीम सीरीज के दोनो ही मैच हार गयी है। दूसरे टेस्ट में उसे 408 रनों से बड़ी हार मिली। शुभमन ने कहा है कि इस बार के बाद टीम और मजबूत होकर उभरेगी। भारतीय टीम इस सीरीज के पहले टेस्ट में 30 रन जबकि दूसरे में 408 रनों से हारी थी। इस हार से टीम के प्रदर्शन के साथ ही गंभीर की कोचिंग पर भी सवाल उठे हैं। वहीं शुभमन ने सोशल मीडिया में टीम के बचाव में लिखा, ''शांत समुद्र आपको रास्ता दिखाना नहीं सिखाता, बल्कि तूफान ही मजबूत बनाता है। हम एक-दूसरे पर भरोसा करते रहेंगे, एक-दूसरे के लिए संघर्ष करते हुए आगे बढ़ते हुए मजबूत बनेंगे।'' एक साल के अंतराल में भारतीय टीम को को घरेलू टेस्ट सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना है। न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3-0 और अब दक्षिण अफ्रीका से 2-0 की हार झेलनी पड़ी है। इसके बाद से ही गंभीर आलोचकों के निशाने पर हैं और प्रशंसक उन्हें हटाने की मांग करते दिख रहे हैं। इससे भारतीय टीम की अपनी धरती पर अजेय रहने की छवि भी टूटी है।

गावस्कर ने गंभीर का बचाव किया, बोले हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर का बचाव करते हुए कहा है कि उनके ही मार्गदर्शन में चैम्पियंस ट्रॉफी और एशिया कप में जीत मिली थी। गंभीर दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टीम को मिली हार के बाद से ही आलोचकों के निशाने पर हैं। इसका कारण है कि उसे पिछले साल न्यूजीलैंड और अब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के सभी मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। इन हालातों में जहां अधिकतार लोग गंभीर के विरोध में हैं और उन्हें हटाने की मांग कर रहे हैं। वहीं गावस्कर का कहना है कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के लिए कोच नहीं खिलाड़ी जिम्मेदार हैं। गावस्कर का कहना है कि आप जब हारते हैं, तभी कोच को दोष देते हैं, लेकिन जीत के लिए उसे उतना श्रेय नहीं मिलता।

गावस्कर ने कहा कि भारतीय कोच की आलोचना लोग शीघ्र करने लगते हैं पर सफलता के समय उन्हें श्रेय नहीं देते। गावस्कर ने कहा, ÷वह एक कोच हैं। कोच एक टीम तैयार कर सकता है पर मैदान पर कोच नहीं खिलाड़ियों को प्रदर्शन करना होता है। अब, जो लोग कोच से जवाबदेही की मांग कर रहे हैं तो मैं उनसे पूछता हूं कि जब भारतीय टीम ने चैंपियंस ट्रॉफी और एशिया कप जीत था तो आपने क्या किया था? क्या आपने उन्हें श्रेय दिया था?

उन्होंने साथ ही कहा, क्या आपने तब ऐसा कहा था? जो आप अब उनको निकालने की मांग कर रहे हैं–क्या आपने तब कहा था कि उन्हें एक लंबा अनुबंध नहीं दिया जाना चाहिए। जब कोई टीम अच्छा नहीं करती, तभी आप कोच को भला-बुरा कहते हैं। गावस्कर के अनुसार तीनों प्रारुपों में कोचिंग करना आसान नहीं है।

घरेलू खिलाड़ियों को मिलेगा मौका, दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारतीय टीम में हो सकता है बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला में दोनों मैच में करारी पराजय झेलने के बाद घरेलू स्तर के कुछ विशेषज्ञ खिलाड़ियों को भारतीय टेस्ट टीम में जगह मिल सकती है क्योंकि अजीत अगरकर की अगुवाई वाली चयन समिति बल्लेबाजी क्रम में तीसरे नंबर जैसे महत्वपूर्ण स्थान के प्रति अपने रवैये में बदलाव करने के लिए तैयार है। पिछले तीन दशक में राहुल द्रविड़ और चेतेश्वर पुजारा जैसे बल्लेबाजों ने नंबर तीन पर अपनी भूमिका बखूबी निभाई थी लेकिन अब यह स्थान दांव पर लगा है।

करुण नायर इंग्लैंड में चार टेस्ट मैच खेलने के बावजूद प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे जबकि बी साई सुदर्शन ने 11 पारियों में 27 की औसत से यह दिखा दिया है कि वह अभी भी प्रगति की राह पर हैं। सुदर्शन के साथ तकनीक से जुड़ी कुछ समस्याएं हैं विशेष कर उपमहाद्वीप की पिचों पर स्पिन गेंदबाजों के सामने उनकी कमजोरी खुलकर उजागर हो गई है। उन्हें टेस्ट मैचों के लिए तैयार होने के लिए घरेलू क्रिकेट और भारत ए के साथ समय बिताने की जरूरत है। टेस्ट क्रिकेट ऐसी जगह नहीं है जहां प्राथमिक स्तर की छोटी-छोटी गलतियों को सुधारा जाए और यह खिलाड़ी लगातार गलतियों को दोहरा रहे हैं जिसके कारण बदलाव जरूरी हो गया है।

इस बात की प्रबल संभावना है कि चयन समिति अब बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए घरेलू स्तर के कुछ सीनियर खिलाड़ियों के नाम पर गंभीरता से विचार करेगी। सरफराज खान और अभिमन्यु ईश्वरन के लिए दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं, लेकिन घरेलू क्रिकेट में अनुभवी तीन खिलाड़ी रुतुराज गायकवाड़, रजत पाटीदार और रिंकू सिंह टीम प्रबंधन का ध्यान अपनी तरफ खींच सकते हैं। लाल गेंद के नए खिलाड़ियों में स्मरण रविचंद्रन (प्रथम श्रेणी औसत 78) और यश राठौड़ (पिछले रणजी सत्र में 960 रन) ने मध्यक्रम में अच्छा प्रदर्शन किया है।

एक पूर्व चयनकर्ता से जब इस बारे में पूछा तो उन्होंने कहा, 'लोग अभिमन्यु और सरफराज को नहीं चुनने के लिए अजीत और उनकी समिति को दोषी ठहरा सकते हैं, लेकिन क्या मुख्य कोच (गौतम गंभीर) और नए कप्तान (शुभमन गिल) को उनकी क्षमता पर भरोसा है। अगर नहीं, तो अकेले अजीत क्या करेंगे।' लेकिन संभवतः अब समय आ गया है कि एक बार फिर से रणनीति बनाई जाए और ऑलराउंडरों के बजाय विशेषज्ञ खिलाड़ियों पर भरोसा किया जाए। उन्होंने कहा, 'एक बात स्पष्ट कर दूं कि कपिल देव अंतिम विश्वस्तरीय ऑलराउंडर थे और टेस्ट स्तर पर अंतिम सक्षम ऑलराउंडर मनोज प्रभाकर थे जो बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में आगाज कर सकते थे। जहां तक हार्दिक पांड्या का सवाल है तो उनका शरीर उन्हें टेस्ट क्रिकेट में खेलने की अनुमति नहीं दे रहा है।'

उन्होंने कहा, ''लेकिन नितीश रेड्डी टुकड़ों में खेलने वाले खिलाड़ी हैं। वह ज़्यादा से ज़्यादा टी20 खेल सकते हैं, वनडे नहीं और गौतम को यह बात समझने की जरूरत है।' रेड्डी का 10 टेस्ट मैचों में बल्लेबाजी औसत 26 है, जो मुख्य रूप से ऑस्ट्रेलिया में लगाए गए शतक के कारण है। उन्होंने 15 पारियों में केवल 86 ओवर गेंदबाजी की है, जो औसतन छह ओवर प्रति पारी भी नहीं है। वर्तमान समय में भारत को नंबर तीन पर एक मजबूत बल्लेबाज की जरूरत है। इसके अलावा उसे नंबर पांच पर भी एक अच्छे रिजर्व बल्लेबाज की जरूरत है।

टी20 विश्वकप फाइनल ऑस्ट्रेलिया से खेलकर जीतना चाहते हैं सूर्यकुमार

मुंबई। भारतीय टी20 क्रिकेट टीम 2026 विश्वकप में सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में उतरेगी। सूर्यकुमार 2024 में विश्वकप विजेता भारतीय टीम में शामिल थे हालांकि तब टीम की कप्तानी रोहित शर्मा के पास थी। ऐसे में अब सूर्यकुमार अपनी कप्तानी में टीम को खिताब जिताने के इरादे से उतरेंगे। सूर्यकुमार चाहते हैं कि इस टूर्नामेंट के फाइनल में भारतीय टीम का मुकाबला ऑस्ट्रेलिया से हो जिसमें उसे हराकर अहमदाबाद के मैदान पर 2023 एकदिवसीय विश्वकप की हार का बदला लिया जा सके। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए पाकिस्तान, अमेरिका, नीदरलैंड और नामीबिया के साथ ग्रुप ए में रखा गया, जबकि ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका, आयरलैंड, जिम्बाब्वे और ओमान के साथ ग्रुप बी में जगह मिली है। भारत ने पिछले टी20 विश्व कप के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रन से हराया था और इस साल चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में भी उन्हें चार विकेट से हराया था पर ये अलग मैदान थे। भारतीय खिलाड़ी चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया को उसी उसी मैदान पर हरायें जिसपर उसे 10 मैच जीतने के बाद फाइनल में हार मिली थी। जब सूर्या से पूछा गया कि अगले साल के टी20 विश्व कप फाइनल मुकाबले में वह किस टीम का सामना करना चाहेंगे तो सूर्यकुमार ने जवाब दिया, ''अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में।'' वहीं भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने भी सूर्या की बात का समर्थन किया, जिनकी टीम ने हाल ही के विश्व कप के सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया को हराने के बाद खिताब जीता था। उन्होंने कहा, ''ऑस्ट्रेलिया ही एकमात्र टीम है जिसे हम हराना चाहते हैं, क्योंकि यह वह गेम है जो आपके साथ रहता है।''

दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद अश्विन का ऋषभ पंत पर तीखा तंज : जब तक जिम्मेदारी नहीं लेंगे, कुछ नहीं बदलेगा

नई दिल्ली। पूर्व भारतीय दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने ऋषभ पंत की बल्लेबाजी कौशल की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका खेल और डिफेंस शानदार है। हालाँकि, उन्होंने पंत के लापरवाह शॉट चयन पर भी निराशा व्यक्त की, जिसके कारण अक्सर उन्हें आउट होना पड़ता है। अश्विन का मानना है कि पंत एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं और उनमें महत्वपूर्ण प्रभाव डालने की क्षमता है, लेकिन उन्हें अधिक ज़िम्मेदारी लेने और अपने शॉट्स के साथ अधिक सावधान रहने की आवश्यकता है। यह बात भारत को दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका से 408 रनों से मिली शर्मनाक हार के बाद आई है, जिसके परिणामस्वरूप श्रृंखला 0-2 से हार गई। अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल ऐश की बात पर कहा कि जब ऋषभ पंत बल्लेबाजी करते थे तो ड्रेसिंग रूम में मेरी धड़कनें तेज़ हो जाती थीं। उनका खेल और डिफेंस शानदार है, इसलिए मुझे हमेशा आश्चर्य होता है कि वह ऐसे शॉट क्यों खेलते हैं। मैं अब भी कहूँगा कि वह एक बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं, और जिस दिन वह ज़िम्मेदारी लेंगे, चीजें बदलने लगेंगी। मैं उनके एक्स-फैक्टर से इनकार नहीं करता। नाथन एस्टल ने एक बार क्राइस्टचर्च में 200 के करीब रन बनाए थे। उन्होंने आगे कहा कि लेकिन उसके बाद वह हर टेस्ट में एक जैसा नहीं खेला। इसी तरह, बल्लेबाज़ हर बार एक जैसा नहीं खेल सकते। मैंने ड्रेसिंग रूम में भी कहा है, लेकिन जब तक उसे इसका एहसास नहीं होगा, यह बदल नहीं सकता। अगर आप आज कप्तान हैं, तो 10 दूसरे आपके नक्शेकदम पर चलेंगे। इसलिए ज़िम्मेदारी ज़रूरी है। पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट में भारत के कार्यवाहक कप्तान थे क्योंकि नियमित कप्तान शुभमन गिल गर्दन की चोट के कारण मैच से बाहर हो गए थे। पंत का प्रोटियाज़ टेस्ट सीरीज़ में प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और उन्होंने चार पारियों में सिर्फ़ 49 रन बनाए।

सुल्तान अजलान शाह कप: रोमांचक मुकाबले में भारत ने मलेशिया को 4-3 से हराया

इपोह (मलेशिया) (एजेंसी)। सुल्तान अजलान शाह कप 2025 में भारतीय हॉकी टीम ने मेजबान मलेशिया को 4-3 के रोमांचक मुकाबले में मात देकर टूर्नामेंट में अपनी दूसरी जीत दर्ज की। भारत के लिए सेल्वम कार्थी (7'), सुखजीत सिंह (21'), अमित रोहिदास (39') और कप्तान संजय (53') ने गोल किए। वहीं मलेशिया के लिए फैजल सारी (13'), फितरी सारी (36') और कप्तान मरहान जलील (45') ने गोल दागे।

इस जीत के साथ भारत तीन मैचों में छह अंकों के साथ अंकतालिका में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। भारत ने पहला मुकाबला कोरिया के खिलाफ जीता था, जबकि दूसरे मैच में बेल्जियम से हार मिली थी।

पहला हाफ: तेज शुरुआत, फिर मलेशिया की बराबरी

भारत ने मुकाबले की शुरुआत आक्रामक अंदाज में की और शुरुआती मिनटों में ही पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लगातार दबाव का फायदा टीम को 7वें मिनट में मिला जब सुखजीत के बेहतरीन मूव पर सेल्वम कार्थी ने आसान टैप-इन से गोल किया। हालांकि, पहले क्वार्टर के अंत में यशदीप सिवाच की गलती से मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसे फैजल सारी ने गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया।

दूसरा क्वार्टर: भारत ने फिर बनाई बढ़त

21वें मिनट में अभिषेक के शॉट को रिबाउंड पर नियंत्रित करते हुए सुखजीत सिंह ने भारत के लिए दूसरा गोल किया। भारत को बढ़त बढ़ाने के अवसर मिले, लेकिन मलेशिया की डिफेंस ने और गोल नहीं होने दिया। हाफ टाइम तक भारत 2-1 से आगे रहा।

तीसरा क्वार्टर: दोनों टीमों का कड़ा संघर्ष

तीसरे क्वार्टर में शुरुआत भारत के पेनल्टी कॉर्नर से हुई, लेकिन टीम मौके को भुना नहीं पाई। इसके बाद 34वें मिनट में जुगराज सिंह को ग्रीन कार्ड मिला, जिसका फायदा उठाते हुए मलेशिया ने फितरी सारी की मदद से 2-2 की बराबरी कर ली। कुछ देर बाद भारत की ओर से अमित रोहिदास ने पेनल्टी कॉर्नर पर जोरदार हिट लगाकर स्कोर 3-2 कर दिया। क्वार्टर के आखिरी मिनट में सेल्वम कार्थी येलो कार्ड से बाहर हुए और मलेशिया ने खिलाड़ियों की संख्या का फायदा उठाते हुए कप्तान मरहान जलील के जरिए मैच को फिर बराबरी पर ला दिया (3-3)।

आखिरी क्वार्टर: कप्तान संजय बने हीरो

अंतिम क्वार्टर में मैच बेहद रोमांचक मोड़ पर था। भारतीय गोलकीपर पवन ने एक कठिन शॉट रोककर स्कोर को बराबरी पर बनाए रखा। 53वें मिनट में भारत को पेनल्टी स्ट्रोक मिला, जिसे कप्तान संजय ने सफलतापूर्वक गोल में बदलकर भारत को चौथी बार बढ़त दिलाई (4-3)।

आखिरी मिनटों में मलेशिया को पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन भारतीय डिफेंस और पवन के शानदार बचाव ने जीत सुनिश्चित कर दी। भारत ने मुकाबला 4-3 से अपने नाम किया।

अगला मुकाबला

भारत अपना अगला सुल्तान अजलान शाह कप 2025 मैच गुरुवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलेगा।

सिराज का एयर इंडिया एक्सप्रेस पर फूटा गुस्सा : 'सबसे घटिया एयरलाइन अनुभव', 4 घंटे की देरी पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। भारत के तेज़ गेंदबाज़ मोहम्मद सिराज ने एयर इंडिया एक्सप्रेस की उड़ान में हुई देरी पर अपनी निराशा और हताशा व्यक्त की है। उन्होंने इसे एयरलाइन की ओर से संचार और अपडेट की कमी के कारण सबसे खराब एयरलाइन अनुभव बताया है। दूसरे टेस्ट में दक्षिण अफ्रीका के हाथों 408 रनों से शर्मनाक हार के बाद सिराज गुवाहाटी से हैदराबाद लौट रहे थे, जिसके परिणामस्वरूप दो मैचों की श्रृंखला 0-2 से हार गई। पिछले साल न्यूज़ीलैंड से 3-0 की हार के बाद, यह भारत का घरेलू मैदान पर दूसरा क्लीन स्वीप है। सिराज ने बुधवार शाम को उड़ान में हुई देरी पर नाराज़गी जताई, जो शाम 7.25 बजे उड़ान भरने वाली थी। उन्होंने एयरलाइन की संचार की कमी को उजागर किया। एक एक्स पोस्ट में, सिराज ने लिखा कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली एयर इंडिया की फ्लाइट संख्या IX 2884 को 7.25 पर उड़ान भरनी थी, लेकिन एयरलाइन की ओर से कोई सूचना नहीं मिली है और बार-बार संपर्क करने के बाद भी उन्होंने बिना किसी उचित कारण के उड़ान में देरी कर दी है। यह वास्तव में निराशाजनक है और हर यात्री की यही आम शिकायत है। उड़ान में 4 घंटे की देरी हुई और अभी तक कोई अपडेट नहीं मिलने से हम फंस गए हैं। एयरलाइन का सबसे खराब अनुभव। मैं वास्तव में किसी को भी इस उड़ान से जाने की सलाह नहीं दूंगा अगर वे कोई स्टैंड नहीं ले सकते। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने गुरुवार को बताया कि गुवाहाटी से हैदराबाद जाने वाली उसकी उड़ान (IX 2884) अप्रत्याशित परिचालन कारणों से रद्द कर दी गई है। यह स्पष्टीकरण तब आया जब सिराज ने सार्वजनिक रूप से एयरलाइन पर गुवाहाटी से उड़ान में देरी और इस संबंध में संचार की कमी का आरोप लगाया। एयर इंडिया एक्सप्रेस ने सिराज के X पोस्ट के जवाब में कहा कि हमें आपको यह बताते हुए खेद हो रहा है कि अप्रत्याशित परिचालन कारणों से उड़ान रद्द कर दी गई है। हवाई अड्डे पर हमारी टीम सभी मेहमानों को आवश्यक व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से सहायता कर रही है। हम समझते हैं कि यह स्थिति कितनी कठिन है, और हम आपके धैर्य और समझ की सराहना करते हैं। कृपया आश्वस्त रहें कि हमारी टीम आपको अपडेट देती रहेगी और हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

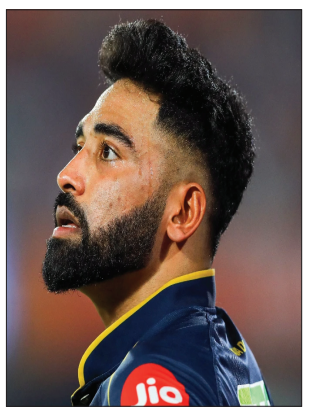

कमिंस को दूसरे और हेलवुड को तीसरे टेस्ट में उतार सकता है ऑस्ट्रेलिया : रिपोर्ट

ब्रिसबेन। यहां इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया के बीच यहां 4 दिसंबर से शुरु हो रहे दूसरे एशेज क्रिकेट टेस्ट की तैयारियां जारी है। इस सीरीज में 1-0 से आगे चल रही ऑस्ट्रेलियाई टीम इस मैच में नियमित कप्तान पैट कमिंस को उतार सकती है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार तेज गेंदबाज कमिंस के आने से मेजबान टीम का गेंदबाजी आक्रमक और मजबूत होगा। कमिंस अब फिट हैं और अभ्यास सत्र में जमकर गेंदबाजी कर रहे हैं। उन्हें दूसरे एशेज टेस्ट से पहले गुलाबी गेंद से अभ्यास करते देखा गया, जो एक दिन-रात का मैच होगा. वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड भी अभ्यास सत्र में उतर गये हैं पर उनके तीसरे टेस्ट में उतरने की संभावना है। हेजलवुड को हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण पहले टेस्ट मैच से बाहर रखा गया था। हेज़लवुड को सिडनी के क्रिकेट सेंट्रल में नेट्स पर लाल गेंद से गेंदबाजी करते देखा गया। ऐसे में ब्रिस्बेन में दूसरे टेस्ट मैच के लिए उनके खेलने की संभावना कम है पर माना जा रहा है कि वह एडिलेड में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। मुख्य कोच एंड्रयू मैकडॉनल्ड ने कहा कि टीम को उम्मीद है कि हेज़लवुड मौजूदा एशेज सीरीज़ के बाद के मैचों में खेलने के लिए उपलब्ध होंगे। मैकडॉनल्ड ने कहा, 'मुझे पता है कि वह सीरीज़ के दौरान किसी न किसी समय उपलब्ध रहेंगे। हमें अभी थोड़ा सा शुरुआती पुनर्वास करना है जिससे यह तय किया जा सके कि वह सीरीज़ में कहाँ खेल सकते हैं, लेकिन हमें उम्मीद है कि वह सीरीज़ में कुछ हिस्सा लेंगे। कोच मैकडॉनल्ड ने कहा कि कमिंस का रिहैब पूरा होने के करीब हैं।

राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता टीम महिला टीम से मुलाकात कर जीत की बधाई दी

नई दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष में नेता राहुल गांधी ने ब्लाइंड टी20 विश्व कप विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम से मुलाकात कर उसे जीत की बधाई देने के साथ ही भविष्य के लिए शुभकामनाएं भी दीं। राहुल के दिल्ली स्थित निवास 10 जनपथ में विश्वकप विजेता टीम पहुंची थी। इस मौके पर राहुल ने खिलाड़ियों के धैर्य और खेल कौशल को भी सराहा। भारतीय टीम ने रविवार को कोलंबो में खेले गए खिताबी मुकाबले में नेपाल को 7 विकेट से हराया था। इस मुकाबले में नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवरों में 5 विकेट पर 114 रन बनाए थे। इसके बाद ये लक्ष्य भारतीय टीम ने 12.1 ओवरों में ही हासिल कर लिया। भारतीय टीम ने इस विश्व कप ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, पाकिस्तान, नेपाल और अमेरिका को हराकर खिताब अपने नाम किया। सेमीफाइनल में भारत ने ऑस्ट्रेलिया पर 9 विकेट से जबरदस्त जीत दर्ज की थी। इस टूर्नामेंट में टीम इंडिया ने अपने सभी 7 मैच जीते।भारतीय टीम जब खिताब जीतकर भारत लौटी, तो बेंगलुरु एयरपोर्ट पर टीम का जोरदार स्वागत किया गया। भारतीय टीम की कप्तान दीपिका ने विश्व कप खिताब जीतने पर खुशी जताते हुए कहा था, हमें देश को खिताब जिताकर बेहद खुशी है। पूरी टीम ने एकसाथ मिलकर शानदार प्रदर्शन किया है खिलाड़ियों ने अपनी जिंदगी में काफी मेहनत की है। यह हमारे लिए गर्व का अवसर है।

पंत का 'सॉरी' संदेश, टीम इंडिया के शर्मनाक प्रदर्शन पर फैंस से मांगी माफी, वापसी का लिया संकल्प

गुवाहाटी (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू मैदान पर टीम इंडिया के 0-2 से हारने के बाद, ऋषभ पंत ने इंस्टाग्राम पर एक भावुक संदेश पोस्ट करके प्रशंसकों से माफ़ी मांगी। पंत ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि इस बात से कोई इंकार नहीं कर सकता कि हमने पिछले दो हफ्तों में अच्छा क्रिकेट नहीं खेला। एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, हम हमेशा उच्चतम स्तर पर प्रदर्शन करना चाहते हैं और अरबों भारतीयों के चेहरे पर मुस्कान लाना चाहते हैं। माफ़ कीजिए, इस बार हम उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाए, लेकिन खेल आपको एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में, सीखना, ढलना और आगे बढ़ना सिखाता है।

ऋषभ पंत ने आगे लिखा कि भारत का प्रतिनिधित्व करना हमारे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान है। हम जानते हैं कि यह टीम क्या करने में सक्षम है और हम एक टीम और एक व्यक्ति के रूप में मज़बूत और बेहतर वापसी करने के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, फिर से संगठित होंगे, फिर से ध्यान केंद्रित करेंगे और खुद को फिर से तैयार करेंगे। आपके अटूट समर्थन और प्यार के लिए धन्यवाद! जय हिंद। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज पंत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान प्रभाव छोड़ने में नाकाम रहे।

पंत ने चार पारियों में 12.25 की खराब औसत से सिर्फ 49 रन बनाए। केएल राहुल 30 नवंबर से रांची में शुरू होने वाली दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में टीम इंडिया की अगुवाई करेंगे। राहुल कप्तानी संभालेंगे क्योंकि भारत अपने नियुक्त एकदिवसीय कप्तान शुभमन गिल के बिना होगा। 26 वर्षीय खिलाड़ी को कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन चोट लगी थी और पहली पारी में सिर्फ तीन गेंदों का सामना करने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया था। वह दूसरे टेस्ट के लिए समय पर ठीक नहीं हो पाए हैं और मुंबई में उनका मूल्यांकन जारी रहेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

मानवाधिकार समूहों ने की ट्रंप प्रशासन की आलोचना

बैंकॉक, एजेंसी। मानवाधिकार समूहों ने ट्रंप प्रशासन के म्यांमार के नागरिकों के लिए निर्वासन से अस्थायी सुरक्षा समाप्त करने के फैसले की आलोचना की है। अमेरिका की होमलैंड सिक्योरिटी सचिव क्रिस्टी नोएम ने सोमवार को घोषणा करते हुए कहा कि म्यांमार में शासन और स्थिरता में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। उन्होंने कहा कि सैन्य सरकार मुक्त और निष्पक्ष चुनाव कराने की तैयारी कर रही है तथा सफल युद्धविराम समझौते हुए हैं। इस आधार पर उन्होंने दावा किया कि नागरिकों के लिए अपने देश लौटना सुरक्षित है। हालांकि, सैन्य प्रमुख मिन आंग हलाइंग ने 2021 में आंग सान सू ची की लोकतांत्रिक सरकार को अपदस्थ किया था और सू ची अभी जेल में हैं।

अफगानों की वापसी से आर्थिक संकट की चेतावनी

काबुल, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) ने अफगान लोगों, विशेष रूप से निर्वासित प्रवासियों की आर्थिक संकट पर एक नई रिपोर्ट में चिंता जताई, पड़ोसी देशों से 23 लाख अफगान प्रवासियों की वापसी ने अफगानिस्तान पुनर्निर्माण प्रक्रिया को गंभीर रूप से प्रभावित किया है। स्पष्ट है कि हमें ऐसे समाधानों की जरूरत है जो सहयोगात्मक, क्षेत्र-आधारित और समुदायों में निहित हों।

नाइजीरिया : केब्बी से किडनैप की गई सभी 24 स्कूली लड़कियों को बचाया

अबुजा, एजेंसी। नाइजीरिया के केब्बी राज्य में सोमवार (17 नवंबर) तड़के हथियारबंद हमलावरों ने गर्ल्स स्कूल पर हमला कर उप-प्रधानाचार्य की हत्या कर दी और 24 छात्राओं का अपहरण कर लिया। जिसके बाद अब नाइजीरिया के राष्ट्रपति बोला टीनुबू ने मंगलवार (25 नवंबर) को बताया कि स्कूल से हथियारबंद हमलावरों ने जिन 24 स्कूली लड़कियों को किडनैप किया था, उन सभी को बचा लिया गया है। लड़कियों को 17 नवंबर को किडनैप किया गया था, और उस समय पुलिस ने कहा था कि 25 को ले जाया गया है, लेकिन मंगलवार को एक बयान में राष्ट्रपति के हवाले से कहा गया कि किडनैप की गई सभी 24 लड़कियों को बचा लिया गया है। हालांकि बचाव अभियान के बारे में कोई अधिक जानकारी साझा नहीं की गई। बता दें कि केब्बी में हुआ हमला नाइजीरिया में हाल ही में हुए बड़े पैमाने पर किडनैपिंग के मामलों में से एक था।

पेरिस : लूव्र म्यूजियम में चोरी के मामले में 4 और आरोपी गिरफ्तार

पेरिस , एजेंसी। पेरिस के अभियोजक ने मंगलवार को चार और गिरफ्तारियों की जानकारी की है। यह गिरफ्तारी अक्टूबर में लूव्र म्यूजियम में हुई उस चौंकाने वाली चोरी के सिलसिले में हुई है, जिसमें एक गैंग ने 10.2 करोड़ डॉलर के गहने चोरी किए थे। पड़ताल को लीड कर रही अभियोजक लॉरे बेकुओ ने कहा कि हिरासत में लिए गए दो पुरुष और दो महिलाएं पेरिस इलाके के हैं और उनकी उम्र 31 से 40 साल के बीच है। उनके बयान में यह नहीं बताया गया कि 19 अक्टूबर की चोरी में उन पर क्या भूमिका होने का शक है। पुलिस उनसे 96 घंटे तक पूछताछ कर सकती है। फ्रेंच मीडिया की रिपोर्ट है कि गिरफ्तार किए गए लोगों में से एक, 39 साल का आदमी जिसे पुलिस सर्विस पहले से जानती है, माना जा रहा है कि वह उस टीम का चौथा सदस्य है जिसने दिनदहाड़े इस बड़ी लूट को अंजाम दिया और वह ऑबरविलियर्स का रहने वाला है, जो पेरिस के उत्तर में एक सबअर्ब है, जिससे दूसरे संदिग्धों के कनेक्शन हैं।

सीरिया : हजारों अलावी लोगों ने सरकार के भेदभाव के खिलाफ प्रदर्शन किया

दमिश्क, एजेंसी। सीरिया में अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के हजारों लोगों ने मंगलवार को देश के मध्य और तटीय इलाकों में सरकार द्वारा कथित भेदभाव के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों की गोलीबारी में एक व्यक्ति के घायल होने की जानकारी विपक्षी निगरानी समूह ने दी, जबकि सरकारी मीडिया का कहना है कि सुरक्षा बलों ने प्रदर्शनकारियों की रक्षा की। मंगलवार का प्रदर्शन लताकिया, टार्टस और केंद्रीय शहर होम्स सहित 42 स्थानों पर हुआ। यह विरोध उस घटना के बाद शुरू हुआ, जिसमें एक बेदुईन दंपति की हत्या के बाद होम्स में बेदुईन समुदाय के लोगों ने अलावी बहुल इलाके पर हमला कर दिया था। यह विरोध ऐसे समय में हुआ है, जब पिछले साल दिसंबर में राष्ट्रपति बशर अल-असद को इस्लामी समूह 'हयात तहरीर अल-शाम' के नेतृत्व वाले विद्रोहियों द्वारा सत्ता से हटाए जाने के बाद देश में कई बार सांप्रदायिक झड़पें हो चुकी हैं। असद, जो स्वयं अलावी समुदाय से हैं, रूस भाग गए थे।

कौन होगा संयुक्त राष्ट्र का नया प्रमुख? कई बड़े नाम हैं दावेदार

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा पांच साल का कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। जिसके बाद नए महासचिव को चुनने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। अंतरराष्ट्रीय राजनीति में संयुक्त राष्ट्र महासचिव का पद बेहद अहम होता है। ऐसे में कई बड़े नाम इस पद की रेस में शामिल हैं। तो आइए जानते हैं कि कैसे संयुक्त राष्ट्र महासचिव का चुनाव होता है और इसका क्या पूरी प्रक्रिया होती है?

कब शुरू होगी प्रक्रिया : संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव की प्रक्रिया औपचारिक रूप से मंगलवार से शुरू हो गई है। मंगलवार को 15 सदस्यों वाली संयुक्त सुरक्षा परिषद और 193 देशों की महासभा के अध्यक्ष ने एक संयुक्त पत्र जारी किया है। जिसमें संयुक्त राष्ट्र के सदस्यों देशों से अगले महासचिव के लिए नाम मांगे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद का उम्मीदवार संयुक्त राष्ट्र सदस्य देश का होना चाहिए। आमतौर पर यह पद क्षेत्रवार बदलता रहता है। मतलब मौजूदा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस साल 2016 में चुने गए थे और वे पुर्तगाल यानी पूर्वी यूरोप के उम्मीदवार थे। अब यह पद किसी लैटिन अमेरिकी नेता को दिया जा सकता है। हालांकि कुछ राजनयिक अन्य क्षेत्रों से भी उम्मीदवारों के नाम दे सकते हैं।

क्या है चुनाव की प्रक्रिया : नए महासचिव की चुनाव प्रक्रिया कई महीनों तक चलेगी, जिसमें कई राउंड की वोटिंग होगी। इससे पहले संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद अगले साल के आखिर में 10वें संयुक्त राष्ट्र महासचिव के चुनाव के लिए 193 सदस्यों वाली महासभा को आधिकारिक तौर पर एक उम्मीदवार के नाम की सिफारिश करेगी। सुरक्षा परिषद एक गुप्त मतदान करेगी, जिसे स्ट्रॉ पोल कहा जाता है। स्ट्रॉ पोल में हर उम्मीदवार के लिए काउंसिल मेंबर को ये विकल्प दिए जाते हैं: प्रेरित करना, हतोत्साहित करना या कोई राय नहीं। आखिर में, सुरक्षा परिषद के पांच स्थायी सदस्यों- अमेरिका, रूस, ब्रिटेन, चीन और फ्रांस - को एक उम्मीदवार के नाम पर सहमत होना होगा। सुरक्षा परिषद में स्ट्रॉ पोल में स्थायी सदस्य देशों के लिए के लिए और 10 चुने हुए सदस्यों के लिए अलग-अलग रंग के मतपत्र होते हैं। साल 2016 में जब गुटेरेस का चुनाव किया गया था तो सुरक्षा परिषद को सहमति पर पहुंचने के लिए छह बार स्ट्रॉ पोल कराया गया था। स्टॉ पोल के बाद सुरक्षा परिषद बंद दरवाजे के पीछे एक प्रस्ताव पास कर नए महासचिव के नाम पर मुहर लगाती है। प्रस्ताव को पारित होने के लिए पक्ष में नौ वोट और किसी वीटो की जरूरत नहीं होती। कौन बन सकता है अगला यूएन महासचिव

संयुक्त राष्ट्र महासचिव बनने की रेस में कई बड़े नाम शामिल हैं। हालांकि कुछ नामों की चर्चा सबसे ज्यादा है, जो निम्न हैं- मिशेल बैचलेट-चिली: लैटिन अमेरिकी देश चिली की तरफ से पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बैचलेट का नाम प्रस्तावित किया जाएगा। चिली के राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिस ने हाल ही में अपने एक बयान में कहा कि बैचलेट चिली की पहली महिला राष्ट्रपति थीं और वे दक्षिण अमेरिकी देशों के अध्यक्ष पद पर भी रह चुकी हैं। बैचलेट साल 2018-2022 के बीच संयुक्त राष्ट्र की मानवाधिकार उच्चायुक्त और उससे पहले यूएन वुमन की कार्यकारी अध्यक्ष भी रह चुकी हैं। रेबेका ग्रिनस्पान-कोस्टा रिका: कोस्टा रिका की तरफ से पूर्व उपराष्ट्रपति रेबेका ग्रिनस्पान के नाम को प्रस्तावित किया जा सकता है। राष्ट्रपति रोड्रिगो शावेज ने इसकी जानकारी दी। 69 वर्षीय ग्रिनस्पैन अभी संयुक्त राष्ट्र कॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलेपमेंट के महासचिव पद पर सेवाएं दे रहे हैं। राफेल ग्रोसी- अर्जेंटीना: अर्जेंटीना की तरफ से राफेल ग्रोसी का नाम प्रस्तावित किया जा सकता है। ग्रोसी, अर्जेंटीना के पूर्व राजनयिक हैं और फिलहाल इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के महानिदेशक पद पर हैं।

रिपोर्ट का दावा- काश पटेल को एफबीआई निदेशक पद से हटाएंगे ट्रंप, व्हाइट हाउस ने किया खारिज

वॉशिंगटन, एजेंसी। एक रिपोर्ट के हवाले से दावा किया जा रहा है कि एफबीआई निदेशक के रूप में काश पटेल का भविष्य सवालों के घेरे में है। रिपोर्ट में इस मामले से परिचित तीन लोगों के हवाले से बताया गया है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आगामी महीनों में उन्हें हटाने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, व्हाइट हाउस की ओर से इस रिपोर्ट को तुरंत खारिज कर दिया गया है। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने एक्स पर लिखा कि यह खबर पूरी तरह से मनगढ़ंत है। उन्होंने कहा कि जब यह शीर्षक प्रकाशित हुआ, तब वह ओवल ऑफिस में थीं, जहां ट्रंप पटेल और उनकी कानून प्रवर्तन टीम के साथ बैठक कर रहे थे।

एक रिपोर्ट में कहा गया कि ट्रंप अपने वरिष्ठ सहयोगी पटेल के बारे में नकारात्मक सुर्खियों की लहर से परेशान हो गए हैं और उन्हें हटाने पर चर्चा शुरू कर दी है। कैरोलिन लेविट ने बताया कि राष्ट्रपति इस कहानी पर हंसे और पटेल के नेतृत्व में विश्वास दिखाने के लिए उनके साथ फोटो खिंचवाई।

रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ट्रंप ने सहयोगियों को बताया है कि वह एफबीआई निदेशक पद के लिए शीर्ष एफबीआई अधिकारी एंड्रयू बेली के नाम पर विचार कर रहे हैं। दो सूत्रों ने पटेल को बहुत ही कमजोर स्थिति में बताया था। सूत्रों ने कहा था कि उनका हटना पहले से कहीं ज्यादा नजदीक दिख रहा है। हालांकि व्हाइट हाउस की प्रतिक्रिया सामने आने के बाद इस मामले का पटाक्षेप होता दिख रहा है।

पटेल को कई सप्ताह से ब्यूरो संसाधनों के प्रबंधन के संबंध में जांच का सामना करना पड़ रहा है। इनमें उनकी प्रेमिका की सुरक्षा व्यवस्था, सरकारी जेट के इस्तेमाल और ट्रंप के वफादार साथियों के साथ आंतरिक टकराव के बारे में सवाल शामिल हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल ने एक रिपोर्ट में बताया था कि उन्होंने कई निजी यात्राओं के लिए सरकारी विमान का इस्तेमाल किया था। इसमें टेक्सास के एक लग्जरी रिसॉर्ट और टेनेसी में अपनी प्रेमिका के घर की यात्रा भी शामिल थी।

इथियोपिया में ज्वालामुखी का प्रकोप थमा

अदीस अबाबा, एजेंसी। उत्तरी इथियोपिया के लंबे समय से निष्क्रिय रहे हेली गुब्बी ज्वालामुखी में पिछले सप्ताहांत हुए विस्फोट के बाद अब ज्वालामुखीय गतिविधि कम हो गई है। इस विस्फोट ने आसपास के इलाकों में भारी नुकसान पहुंचाया और राख के बादल उड़ान मार्गों में फैल जाने के कारण कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गईं। अफार क्षेत्र के अफदेरा जिले के गांव राख की मोटी परत से ढक गए। स्थानीय अधिकारियों के अनुसार लोग खांसी की समस्या से जूझ रहे हैं और पशुधन के लिए पानी और घास पूरी तरह राख से ढक गई है। ज्वालामुखी विस्फोट के बाद कई एयरलाइंस ने प्रभावित रूटों पर उड़ानें रद्द कर दीं। मौसम विभाग के अनुसार राख के बादल देर शाम तक साफ होने की संभावना है। भारत की एयर इंडिया ने सोमवार और मंगलवार को 11 उड़ानें रद्द कर दीं। इनमें ज्यादातर अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल थीं। एयरलाइन ने बताया कि भारतीय विमानन नियामक के निर्देश पर प्रभावित क्षेत्रों से गुजरने वाले विमानों की जांच की जा रही है। भारत की अकासा एयर ने भी जेद्दा, कुवैत और अबू धाबी जैसी मध्य पूर्व की उड़ानों पर रोक लगाई। दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से कम से कम सात अंतरराष्ट्रीय उड़ानें मंगलवार को रद्द हुईं, जबकि एक अधिकारी के अनुसार दर्जन भर उड़ानें देरी से रवाना हुईं। मौसम विभाग ने बताया कि 8 से 15 किलोमीटर की ऊंचाई और हवा की गति 100 से 150 किमी प्रति घंटा होने के कारण राख का यह गुबार बड़ा खतरा नहीं बना। यह गुबार अब चीन की ओर बढ़ गया है।

इंडोनेशिया: मूसलाधार बारिश ने मचाई भीषण तबाही, सुमात्रा द्वीप पर बाढ़-भूस्खलन से 10 की मौत, कई लापता

जकार्ता, एजेंसी। इंडोनेशिया के सुमात्रा द्वीप पर मूसलाधार बारिश के कारण अचानक बाढ़ आ गई और भूस्खलन में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और छह अन्य लापता हो गए। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि पिछले हफ्ते हुई मानसूनी बारिश की वजह से नदियों के बांध टूट गए। पुलिस ने बताया कि पहाड़ी गांवों में कीचड़ भर गया, चट्टानें और पेड़ गिर गए, जिससे भारी तबाही हुई। इन घटनाओं के बाद बचाव दल उत्तरी सुमात्रा प्रांत के छह क्षेत्रों में प्रभावित इलाकों तक पहुंचने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। बयान के अनुसार बचावकर्मियों ने बुधवार तक सबसे ज्यादा प्रभावित सिबोल्गा शहर से कम से कम पांच शव बरामद किए हैं। साथ ही तीन घायल लोगों को अस्पताल पहुंचाया है। पड़ोसी जिले मध्य तपनौली में भूस्खलन की चपेट में आकर कई

घर तबाह हो गए, जिसमें कम से कम चार लोगों का एक परिवार मारा गया और बाढ़ से लगभग 2,000 घर और इमारतें जलमग्न हो गईं। बाढ़ और भूस्खलन के कारण पेड़ों के उखड़ने से दक्षिण तपनौली जिले में एक ग्रामीण की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। मंडेलिंग नटाल जिले में एक पुल नष्ट हो गया और 470 घर जलमग्न हो गए। बयान में कहा गया है कि नियास द्वीप में कीचड़ और मलबे की वजह से एक मुख्य सड़क बाधित हो गई है।

सिबोलगा के पुलिस प्रमुख एडी इंगंटा ने कहा कि आपातकालीन आश्रय स्थल स्थापित कर दिए गए हैं और अधिकारियों ने उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों के निवासियों से तत्काल घर खाली करने का आग्रह किया है। पहाड़ी शहर में छह भूस्खलनों में 17 घर और एक कैफे ध्वस्त होने के बाद उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि लगातार बारिश से और ज्यादा भूस्खलन हो सकता है। इंगंटा ने कहा कि खराब मौसम और भूस्खलन के कारण बचाव अभियान में रुकावट आई है। उन्होंने कहा कि बचावकर्मियों के कठिन परिस्थितियों से जूझने के कारण पहुंच सीमित बनी हुई है। राष्ट्रीय आपदा एजेंसी ने इंडोनेशिया के मुख्य द्वीप जावा के दो इलाकों में 10 दिनों के अभियान के बाद राहत कार्यों की मंगलवार को आधिकारिक समाप्ति का एलान किया था। कुछ ही घंटों बाद सुमात्रा द्वीप पर बारिश की वजह से बाढ़ और भूस्खलन का कहर देखने को मिला। वहीं, मध्य जावा के सिलाकैप और बंजारनेगारा जिलों में मूसलाधार बारिश के कारण हुए भूस्खलन में दबे लोगों की तलाश के लिए 1,000 से ज्यादा बचावकर्मियों को तैनात किया गया था। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन में 38 लोगों की मौत हो गई थी।

संयुक्त राष्ट्र की चौंकाने वाली रिपोर्ट: दुनिया में हर 10वें मिनट एक महिला की हत्या, हर दिन 137 महिलाओं की मौत

न्यूयॉर्क, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र की एक नई रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि दुनिया भर में लगभग हर 10 मिनट में किसी महिला या लड़की की हत्या उसके साथी या परिवार के सदस्य द्वारा कर दी जाती है।

यह औसतन हर दिन 137 हत्याएं बनती हैं। संयुक्त राष्ट्र मादक पदार्थ एवं अपराध कार्यालय (यूएनओडीसी) और यूएन विमेन की ओर से सोमवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फेमिसाइड (महिलाओं की लैंगिक आधार पर हत्या) अब भी लाखों महिलाओं और लड़कियों की जान ले रहा है और इस पर रोक लगाने में कोई ठोस प्रगति नहीं दिख रही।

यूएनओडीसी के कार्यकारी निदेशक जॉन ब्रांडोलिनो ने कहा, दुनिया की बहुत बड़ी संख्या में महिलाओं और लड़कियों के लिए घर आज भी खतरनाक और कई बार जानलेवा जगह बना हुआ है। उन्होंने फेमिसाइड रोकने के लिए बेहतर रोकथाम उपायों और प्रभावी न्यायिक व्यवस्था की जरूरत पर जोर दिया। यूएन विमेन की नीति प्रभाग निदेशक सारा हेंड्रिक्स ने ऑनलाइन हिंसा की बढ़ती भूमिका पर चिंता जताई। उनके अनुसार, डिजिटल हिंसा कई बार ऑनलाइन से आगे बढ़कर वास्तविक दुनिया में पहुंचती है और चरम रूप में हत्या जैसी घटनाओं का कारण बन सकती है।

पिछले साल 83 हजार महिलाओं की हुई हत्या : रिपोर्ट के अनुसार, पिछले वर्ष 83,000 महिलाओं और लड़कियों की जानबूझकर हत्या की गई, जिनमें से 60 फीसदी यानी 50,000 की हत्या उनके अंतरंग साथी या परिवार के सदस्यों ने की। इसके मुकाबले पुरुषों की हत्या के सिर्फ 11 फीसदी मामलों में ही उनके साथी या परिजन शामिल थे। हालांकि 2024 में करीबी द्वारा हुई 50,000 हत्याएं, 2023 के अनुमान (51,100) से थोड़ी कम हैं, लेकिन रिपोर्ट ने स्पष्ट किया कि यह कमी वास्तविक गिरावट नहीं है, बल्कि देशों से उपलब्ध आंकड़ों में अंतर की वजह से है।

अफ्रीका में हत्या की दर सबसे ज्यादा : रिपोर्ट में बताया गया कि अंतरंग साथी या परिवार के सदस्य द्वारा की गई फेमिसाइड की सबसे ज्यादा दर अफ्रीका (प्रति 1 लाख महिलाओं पर 3) में दर्ज की गई। इसके बाद अमेरिका (1.5), ओशिआनिया (1.4), एशिया (0.7) और यूरोप (0.5) का स्थान रहा। रिपोर्ट में कहा गया है कि घर के बाहर होने वाली फेमिसाइड की घटनाओं के बारे में अभी भी पर्याप्त डाटा उपलब्ध नहीं है।

शेख हसीना की सजा के खिलाफ अवामी लीग का हल्लाबोल, 30 नवंबर तक देशव्यापी आंदोलन शुरू

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की बेदखल पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को दी गई मृत्युदंड की सजा के खिलाफ उनकी पार्टी अवामी लीग ने मंगलवार (25 नवंबर) को 30 नवंबर तक देशभर में विरोध प्रदर्शन और 'प्रतिरोध मार्च' निकालने का एलान किया है। पार्टी ने इस सजा को 'अवैध ट्राइब्यूनल का अवैध फैसला' बताते हुए इसे राजनीतिक साजिश करार दिया है।

17 नवंबर को सुनाई थी फांसी की सजा : 17 नवंबर को बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (ICT-BD) ने 78 वर्षीय हसीना और तत्कालीन गृह मंत्री असदुज्जमान खान कमाल को मानवता के खिलाफ अपराधों के आरोप में फांसी की सजा सुनाई थी। दोनों नेताओं का मुकदमा अनुपस्थिति में चला। हसीना फिलहाल भारत में हैं, जबकि कमाल के भी भारत में छिपे होने की आशंका है।

अंतरिम सरकार की साजिश दिया करार : अवामी लीग ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया पोस्ट में आरोप लगाया कि यह फैसला मुहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार की साजिश है, ताकि हसीना और उनकी पार्टी को अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित चुनाव से दूर रखा जा सके। पार्टी ने 'अवैध ट्राइब्यूनल के अवैध फैसले' को अस्वीकार करते हुए यूनुस के इस्तीफे की मांग की और देश के सभी जिलों और उपजिलाओं में 30 नवंबर तक प्रदर्शन और प्रतिरोध रैलियां आयोजित करने की घोषणा की। अवामी लीग ने कहा कि यह फैसला 'तमाशा' है, जिसे जनता 'तिरस्कार के साथ खारिज कर चुकी है।

पूरे देश में कड़े आंदोलन का एलान : अवामी लीग ने दावा किया कि वह जमीनी कार्यकर्ताओं और राजनीतिक संगठनों के साथ मिलकर 'राष्ट्रविरोधी साजिशों' का मुकाबला करेगी और किसी भी कीमत पर 'मुक्ति संग्राम समर्थक ताकतों को चुनाव से बाहर करने की कोशिशों' को नाकाम करेगी। बयान में कहा गया कि बांग्लादेश में साजिश के जरिए चुनाव नहीं होने दिया जाएगा। किसी भी कीमत पर इसका विरोध किया जाएगा। अवामी लीग ने चेतावनी दी कि जल्द ही पूरे देश में कड़े आंदोलन की घोषणा की जाएगी। गौरतलब है कि पिछले साल 5 अगस्त को 'जुलाई विद्रोह' नाम का छात्रों के नेतृत्व वाले हिंसक विरोध प्रदर्शन में शेख हसीना की अवामी लीग सरकार गिरा दी गई थी।

चीन को मुंहतोड़ जवाब देने की तैयारी में ताइवान, राष्ट्रपति पेश करेंगे 40 अरब का अतिरिक्त रक्षा बजट

ताइपे, एजेंसी। ताइवान ने चीन की आक्रामकता को मुंहतोड़ जवाब देनी की तैयारियां शुरू कर दी हैं। ताइवान के राष्ट्रपति लाई चिंग-ते ने वाशिंगटन पोस्ट के एक लेख में कहा कि देश अपनी रक्षा के दृढ़ संकल्प को दर्शाने के लिए 40 बिलियन डॉलर का अतिरिक्त रक्षा बजट पेश करेगा। इस बजट में जरूरी नए अमेरिकी हथियारों की खरीद की योजना भी शामिल है।

राष्ट्रपति चिंग-ते के इस बयान से चीन को मिर्ची लगना तय है। बीते पांच वर्षों में चीन ने ताइवान को अपने देश का हिस्सा बताने के दावों को पुख्ता करने के लिए ताइपे पर सैन्य और राजनीतिक दबाव बढ़ा दिया है। हालांकि, ताइवान इसे दृढ़ता से खारिज करता रहा है। ताइवान को वाशिंगटन से अपनी रक्षा पर ज्यादा खर्च करने के लिए भी गुजारिश करनी पड़ रही है, जो यूरोप पर अमेरिका के दबाव को दर्शाता है। इस साल अगस्त महीने में लाई ने कहा था कि उन्हें उम्मीद है कि 2030 तक रक्षा व्यय सकल घरेलू उत्पाद के 5 फीसदी तक पहुंच जाएगा।

उन्होंने मंगलवार को प्रकाशित लेख में कहा, 'यह ऐतिहासिक पैकेज न केवल अमेरिका से महत्वपूर्ण नए हथियारों की खरीद को वित्तपोषित करेगा, बल्कि ताइवान की विषम क्षमताओं को भी व्यापक रूप से बढ़ाएगा।' उन्होंने लिखा कि ऐसा करने में हमारा लक्ष्य बीजिंग की ओर से बल प्रयोग के संबंध में फैसले लेने में ज्यादा

लागत और अनिश्चितताएं डालकर निवारण को मजबूत करना है।

लाई ने पहले ही घोषणा कर दी थी कि वह अतिरिक्त रक्षा व्यय का प्रस्ताव देंगे , लेकिन उन्होंने इसका ब्यौरा नहीं दिया था। उनके कार्यालय ने बताया कि लाई बुधवार सुबह वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारियों की बैठक के बाद रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू के साथ एक संवाददाता सम्मेलन करेंगे। 2026 तक सरकार रक्षा खर्च को 949.5 अरब ताइवान डॉलर (30.25 अरब डॉलर) तक पहुंचाने का प्रस्ताव कर रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार यह जीडीपी के 3.32 फीसदी के बराबर है, जो 2009 के बाद पहली बार 3 फीसदी की सीमा को पार कर गया है। औपचारिक राजनयिक संबंधों के अभाव के बावजूद अमेरिका कानून के मुताबिक ताइवान को आत्मरक्षा के साधन मुहैया कराने के लिए बाध्य है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पदभार ग्रहण करने के बाद से उनके प्रशासन ने अब तक ताइवान को केवल एक नए हथियार की बिक्री को मंजूरी दी है। जो लड़ाकू जेट और अन्य विमान भागों के लिए 330 मिलियन डॉलर का पैकेज है, जिसकी घोषणा इस महीने की शुरुआत में की गई थी। लाई ने लिखा, 'हम राष्ट्रपति ट्रंप के आभारी हैं कि उन्होंने दुनिया भर में अमेरिकी नेतृत्व के महत्व को स्पष्ट कर दिया है। ट्रंप प्रशासन की ताकत के जरिए शांति की कोशिशों की वजह से आज अंतरराष्ट्रीय समुदाय ज्यादा सुरक्षित है।' चीन की ओर से अलगाववादी घोषित किए जाने की कोशिशों के बावजूद उन्होंने चीन के साथ वार्ता करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई है। लाई ने लिखा, 'हम इस समझ के साथ कि हमारा लोकतंत्र और स्वतंत्रता समझौता-योग्य नहीं है, दोनों देशों के बीच संवाद के अवसरों की तलाश जारी रखेंगे।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अश्लील कंटेट पर सुप्रीम कोर्ट सख्त

बोला- किसी को तो लेनी होगी जिम्मेदारी

केंद्र को 4 हफ्ते में नियम बनाने को कहा

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को सोशल मीडिया, ऑनलाइन शो और डिजिटल प्लेटफॉर्म पर बढ़ते अश्लील या आपत्तिजनक कंटेंट पर कड़ी टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि इंटरनेट पर डाले जाने वाले एडल्ट या अश्लील कंटेंट की जिम्मेदारी किसी न किसी को लेनी ही होगी, क्योंकि जब तक ऐसे पोस्ट को रोका जाता है, तब तक लाखों लोग इसे देख चुके होते हैं। अदालत ने केंद्र सरकार को आदेश दिया कि वह चार हफ्तों के भीतर कठोर रेगुलेशन तैयार करे, जो एससी/एसटी एक्ट जितने सख्त हों। कोर्ट ने यह टिप्पणी ऑनलाइन कंटेंट से जुड़े दो अलग-अलग मामलों (अश्लील कंटेंट विवाद और दिव्यांगों के अपमान) की सुनवाई के दौरान की। अश्लील कंटेंट विवाद- रैना और रणवीर पर कई एफआईआर इंडियाज़ गॉट लेटेंट शो का एक फरवरी में प्रसारित एपिसोड चर्चा में है, जिसमें स्टैंड-अप कॉमेडियन समय रैना और अन्य कलाकारों ने कथित रूप से महिलाओं और पेरेंट्स के बारे में अशोभनीय टिप्पणियां की थीं। इस एपिसोड के बाद समय रैना, रणवीर अलाहबादिया और अन्य के खिलाफ देश के कई राज्यों में एफआईआर दर्ज हुईं। रणवीर अलाहबादिया ने इन्हीं एफआईआर को रद्द करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की थी। कोर्ट ने किसी तरह की राहत देने से इनकार किया, लेकिन केंद्र को सख्त कानून बनाने का निर्देश दिया ताकि भविष्य में ऐसा कंटेंट रोकने के लिए स्पष्ट और मजबूत तंत्र मौजूद हो। इसी शो में समय रैना पर दिव्यांगों विशेषकर नेत्रहीन लोगों का मजाक उड़ाने का आरोप भी लगा था। एसएमए फाउंडेशन की याचिका पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने समय रैना, विपुल गोयल, बलराज सिंह घई, सोनाली ठक्कर और निशांत जगदीश तंवर को निर्देश दिया कि वे अपने शो में दिव्यांग व्यक्तियों की प्रेरक सफलता की कहानियां दिखाएं, जिससे उनके लिए फंड जुटाया जा सके। इस पर कॉमेडियन्स ने कोर्ट को आश्वासन दिया कि वे हर महीने ऐसे दो शो करेंगे और दिव्यांग व्यक्तियों के लिए फंड एकत्र करेंगे। सीजेआई ने फटकारा- बहुत सावधान रहना होगा सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने समय रैना को चेतावनी देते हुए कहा कि उन्हें और उनकी टीम को भविष्य में बेहद सावधान रहना होगा।

सीजेआई ने कहा कि कोर्ट को यह भी जानकारी है कि मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचने के बाद समय ने कनाडा में एक शो के दौरान टिप्पणी की थी कि इस विवाद से उनके वकीलों की फीस निकल आई। सीजेआई ने कहा, आप चाहे देश में हों या विदेश में, आपकी टिप्पणियों पर सभी की नजर रहती है। भविष्य में ऐसी लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट का यह निर्देश ऑनलाइन कंटेंट रेगुलेशन को लेकर एक बड़ा कदम माना जा रहा है। आने वाले हफ्तों में सरकार द्वारा तैयार किए जाने वाले नए नियम डिजिटल प्लेटफॉर्म पर नियंत्रण की दिशा में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं।

एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 22 दिनों में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत

नई दिल्ली

देश के 12 राज्यों में 51 करोड़ से अधिक मतदाताओं के घर दस्तक दे रहे 5.32 लाख से अधिक बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) पर काम के दबाव का आरोप लगा रहा है। एसआईआर प्रक्रिया के दौरान 22 दिनों में 7 राज्यों में 25 बीएलओ की मौत हुई है।

वहीं, तृणमूल कांग्रेस ने केवल पश्चिम बंगाल में 34 लोगों की मौत का दावा कर दिया है। इन मौतों पर बंगाल, एमपी, राजस्थान, यूपी में सियासत जोरों पर हो रही है। दूसरी ओर निर्वाचन आयोग जिला और राज्यों की रिपोर्ट के इंतजार में है। चुनाव आयोग के सूत्रों का कहना है कि अब तक किसी काम के दबाव से किसी मौत की पुष्टि नहीं हुई है।

वहीं बंगाल के मंत्री अरुप बिस्वास ने कहा है कि एसआईआर के चलते राज्य में 34 लोगों ने जान दी। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि इसका उद्देश्य पीछे के दरवाजे से एनआरसी लागू करना और डर पैदा करना है। वहीं भाजपा आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने कहा कि टीएमसी के दबाव में फर्जी और संदिग्ध नाम जोड़े जा रहे हैं।

पूर्व मुख्य निर्वाचन आयुक्त ओपी रावत ने बताया कि, आयोग ध्यान दे, तब थोड़ी आसानी होती है। जैसे, मध्य प्रदेश में बीएलओ को एप में कैप्चा भरना समस्या दे रहा था। उस कैप्चा को हटाने से काम आसान हो गया। बड़ी संख्या में फॉर्म अपलोड करने से सर्वर बैठ जाता है। इसतहर से फॉर्म अपलोड करने का काम रात में करके इस सुधार किया गया। टीचर्स पर स्कूलों में दिसंबर में कोर्स पूरा करने का दबाव है। डेडलाइन सिर पर है। बीएलओ अपने स्तर पर समाधान निकाल रहे हैं, जबकि यह काम सिस्टम को करना चाहिए था।

वहीं गोंडा जिले में जहर खाकर जान देने वाले बीएलओ व शिक्षक विपिन यादव के पिता सुरेश यादव ने जिला प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि बेटे ने मरने से पहले फोन पर कहा था कि एसडीएम और बीडीओ मतदाता सूची से ओबीसी मतदाताओं के नाम हटाने और सामान्य वर्ग के नाम बढ़ाने का दबाव बना रहे हैं। मना करने पर निलंबन और गिरफ्तारी की धमकी दी गई थी। विपिन की पत्नी सीमा ने बताया कि अधिकारी आधार न देने वालों का नाम भी जोड़ने को कहते थे। पति बहुत दबाव में थे।

पाकिस्तान की राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर टिप्पणी, कांग्रेस नेता ने कहा.....अपनी सीमा में रहना चाहिए

नई दिल्ली

कांग्रेस नेता सुरेंद्र राजपूत ने राम मंदिर ध्वजारोहण समारोह पर पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के बयान पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि पाकिस्तान को अपनी सीमा में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करेगा। अफगानिस्तान और बलूचिस्तान के साथ पाकिस्तान के चल रहे मुद्दों पर कांग्रेस नेता ने घोषणा की कि पाकिस्तान खुद विभाजन की ओर बढ़ रहा है।

कांग्रेस नेता राजपूत ने कहा कि पाकिस्तान को अपनी हद में रहना चाहिए, क्योंकि कोई भी भारतीय हमारे आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप बर्दाश्त नहीं करता। हमारे पास एक स्वस्थ लोकतंत्र और मज़बूत संविधान है, और यह उनकी तरह हर 8-10 साल में नहीं बदलता। पाकिस्तान भारत के मामलों पर टिप्पणी करके अपनी मौत को न्यौता दे रहा है... पाकिस्तान टूटने वाला है... हम अपने आंतरिक मामले खुद सुलझा सकते हैं। इससे पहले, पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह की निंदा कर आरोप लगाया कि भारत की न्यायिक प्रक्रिया अल्पसंख्यकों के प्रति भेदभावपूर्ण है।

इसके अलावा, पाकिस्तान ने भारत सरकार से मुसलमानों सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करके और अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों के अनुसार उनके पूजा स्थलों की रक्षा करके अपनी ज़िम्मेदारियों का निर्वहन करने का आग्रह किया। लेकिन भारत ने भगवान राम मंदिर में ध्वजारोहण पर पाकिस्तान की टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और उसकी टिप्पणियों को उसी तिरस्कार के साथ खारिज कर दिया जिसके वे हकदार हैं और उससे अपनी नज़रें अंदर की ओर मोड़ने और अपने स्वयं के दयनीय मानवाधिकार रिकॉर्ड पर ध्यान केंद्रित करने को कहा।

नवंबर खत्म होने को.....दिसंबर में होगा ये महत्वपूर्ण बदलाव

नई दिल्ली

नवंबर का महीना खत्म होने को हैं, नए महीने से बहुत से वित्तीय बदलाव होने वाले हैं, इसका सीधा असर आपकी जेब पर पड़ेगा। इस बदलाव में एलपीजी गैस सिलेंडर से लेकर पेंशन, टैक्स और फ्यूल संबंधी नियम हैं।

हमेशा केंद्र सरकार एलपीजी के दाम में बदलाव महीने की पहली तारीख को करती है। यह बदलाव कमर्शियल और रसोई गैस सिलेंडर के लिए होता है। नवंबर में तेल कंपनियों ने कमर्शियल गैस सिलेंडर के रेट बदले थे। 1 नवंबर को 19 किलोग्राम वाले कॉमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमत में 6.50 रुपये की कटौती की गई थी। रसोई गैस की कीमतों में काफी समय से बदलाव नहीं हुआ है।

वहीं सरकारी कर्मचारियों के लिए यूनिफाइड पेंशन स्कीम (यूपीएस) चुनने की डेडलाइन 30 नंबवर तय की गई है। पहले यह डेट 30 सितंबर थी। अगर कोई कर्मचारी एनपीएस और यूपीएस में से किसी एक को चुनना चाहता है, तब 30 नवंबर से पहले ये काम पूरा करना होगा।

सीनियर सिटीजन को पेंशन का लाभ पाने के लिए लाइफ सर्टिफिकेट जमा करना जरूरी है। 30 नंवबर लाइफ सर्टिफिकेट जमा करने की डेडलाइन है। अगर कोई व्यक्ति लाइफ सर्टिफिकेट जमा नहीं कर पाता है, तब उसकी पेंशन रुक सकती है।

अगर आपका अकाउंट में टीडीएस कटौती हुई है, तब सेक्शन 194-आईए, 194-आईबी, 194एम और 194एस के तहत स्टेटमेंट जमा करना होगा, जिसकी आखिरी तारीख 30 नंवबर तय की गई है। इसके अलावा, जिन टैक्सपेयर्स को सेक्शन 92ई के तहत रिपोर्ट जमा करनी है, वह भी 30 नवंबर तक ये काम पूरा कर सकते हैं।

भारत और मोदी सरकार के खिलाफ नैरेटिव बनाने विदेशी प्रभावशाली लोगों का इस्तेमाल कर रहीं कांग्रेस

कांग्रेस पार्टी के कई नेताओं के अकाउंट भारत के बाहर अपना लोकेशन बता रहे

नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता संबित पात्रा ने कांग्रेस (आईएनसी) पर भारत में एक नैरेटिव बनाने और लोगों को देश के खिलाफ भड़काने के लिए विदेशी लोगों का इस्तेमाल करने का आरोप लगाया। उन्होंने आरोप लगाया कि एक्स के नए लोकेशन फ़ीचर ने कई कांग्रेसी अकाउंट और इसतरह अन्य पार्टी समर्थित प्रभावशाली लोगों का पर्दाफर्श कर दिया है। बीजेपी नेता पात्रा के अनुसार, कई कांग्रेसी नेता और पार्टी के राज्य स्तर के अकाउंट भारत के बाहर अपना लोकेशन बता रहे थे, हालाँकि उन्होंने कहा कि कुछ समय बाद लोकेशन बदल दी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ कांग्रेस समर्थित प्रभावशाली लोग हैं, और कारवां इंडिया पत्रिका और तथ्य-जांचकर्ता ऑल्ट न्यूज जैसे समाचार संगठन भी अपने अकाउंट भारत से बाहर दिखा रहे हैं। बीजेपी नेता पात्रा ने आरोप लगाया कि विकल्प मिलने के बाद कई लोगों ने अपनी लोकेशन बदली। आप इसे बदल सकते हैं, छुपा सकते हैं। इसलिए जब कई लोगों को पता चला कि उनकी लोकेशन बाहर दिखाई जा रही है, तब उन्होंने इसे बदल दिया। उनके अनुसार, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा का अकाउंट अमेरिका के आधार पर दिखा रहा है। हालाँकि खेड़ा का अकाउंट अमेरिका का है और इंडिया एप स्टोर के माध्यम से जुड़ा हुआ है, लेकिन एक्स का यह भी कहना है कि यह क्षेत्र सटीक नहीं हो सकता क्योंकि अकाउंट संभवतः वीपीएन जैसे प्रॉक्सी का उपयोग कर रहा है जिससे प्रदर्शित देश बदल सकता है। उन्होंने हिमाचल कांग्रेस के अकाउंट के खिलाफ भी इसी तरह के आरोप लगाए।

28 वकीलों के खिलाफ दायर चार्जशीट रद्द, 2009 में कोर्ट परिसर में हुई थी हिंसा

चेन्नई

मद्रास हाईकोर्ट ने 19 फरवरी 2009 को हुई अभूतपूर्व पुलिस-वकील हिंसा से जुड़े मामले में एक बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने गुरुवार को 28 वकीलों के खिलाफ दायर चार्जशीट रद्द कर दी। जस्टिस एम. निर्मल कुमार की पीठ ने 27 वकीलों द्वारा दायर याचिकाओं को स्वीकार करते हुए सीबीआई द्वारा प्रस्तुत चार्जशीट को खारिज कर दिया। याचिका में दलील दी गई थी कि आरोपित वकीलों पर लगाए गए आरोप टिकाऊ नहीं हैं और जांच में कई प्रक्रियात्मक खामियां रहीं।

गौरतलब है कि 19 फरवरी 2009 को हुई यह घटना उस समय सुर्खियों में आ गई थी, जब सुब्रमण्यम स्वामी नटराज मंदिर के सरकारी अधिग्रहण को चुनौती देने वाली याचिका में पक्षकार बनने के लिए हाईकोर्ट पहुंचे थे। बताया जाता है कि इसी दौरान अदालत परिसर में मौजूद एलटीटीई समर्थक वकीलों के एक समूह ने उन्हें तमिलों का गद्दार कह और जजों के सामने ही उन पर सड़े अंडे फेंके थे। स्वामी पर हुए इस हमले के तुरंत बाद अदालत परिसर में भारी तनाव फैल गया था। वकीलों और पुलिस के बीच तीखी झड़प और हिंसा हुई, जिसमें कई वकील, कई पुलिसकर्मी और यहां तक कि हाईकोर्ट के एक जज भी घायल हो गए थे। गंभीर उपद्रव के कारण कोर्ट परिसर में खड़ी कई गाड़ियां क्षतिग्रस्त हो गई थीं और हालात काबू में लाने के लिए अतिरिक्त बल बुलाना पड़ा था।

घटना के बाद हाईकोर्ट के जजों ने तत्कालीन पुलिस आयुक्त को आरोपित वकीलों के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई शुरू करने का निर्देश दिया था। इसी शिकायत के आधार पर जांच सीबीआई को सौंपी गई थी, जिसने बाद में 28 वकीलों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी। चार्जशीट खारिज करते हुए कोर्ट ने माना कि आरोपित वकीलों के खिलाफ लगाए गए आरोपों को मजबूत साक्ष्यों से पुष्ट नहीं किया गया था।

संक्षिप्त समाचार

प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी से जुड़े ठिकानों पर कार्रवाई

जम्मू शोपियां पुलिस के अनुसार, ज़िले में बड़े पैमाने पर छापेमारी की गई। पुलिस शोपियां ज़िले में कई जगहों पर सावधानीपूर्वक तलाशी ले रही थी, जिसमें प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) से जुड़े व्यक्तियों और परिसरों को निशाना बनाया गया, जिस पर गैरकानूनी गतिविधियाँ (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत प्रतिबंध लगाया गया है। जमात-ए-इस्लामी जम्मू और कश्मीर (जेईआई) पर भारत सरकार द्वारा कई बार प्रतिबंध लगाया जा चुका है। जमात-ए-इस्लामी एक इस्लामी आंदोलन है जिसकी स्थापना 1941 में ब्रिटिश भारत में इस्लामी लेखक और सिद्धांतकार सैयद अबुल आला मौदूदी ने की थी। प्रतिबंधित संगठन जमात-ए-इस्लामी (जेईआई) के खिलाफ बड़े पैमाने पर कार्रवाई के बीच अनंतनाग पुलिस ने 12 नवंबर को भी जिले में समन्वित छापेमारी की थी। जम्मू-कश्मीर पुलिस की राज्य जाँच एजेंसी (एसआईए) की एक टीम ने 20 नवंबर को जम्मू स्थित कश्मीर टाइम्स के कार्यालय पर भी छापा मारा। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने जाँच एजेंसियों से कहा कि वे छापेमारी के लिए मीडिया संस्थानों को चुन-चुनकर न करें और प्रेस पर कोई दबाव न डाला जाए। सुरिंदर चौधरी ने संवाददाताओं से कहा, एजेंसियाँ अपना काम कर रही हैं। अगर छापेमारी करनी ही है, तो उसे चुन-चुनकर नहीं किया जाना चाहिए। अगर उन्होंने कुछ गलत किया है, तो कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन सिर्फ़ दबाव बनाने के लिए नहीं। प्रेस चौथा स्तंभ है और उसे पत्रकारिता करने की पूरी आज़ादी मिलनी चाहिए। कश्मीर टाइम्स की स्थापना 1954 में अनुराधा भसीन के पिता वेद भसीन ने जम्मू-कश्मीर के सबसे पुराने अंग्रेज़ी दैनिक समाचार पत्र के रूप में की थी।

हिमांशु भाऊ गिरोह का शूटर मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

नई दिल्ली दिल्ली पुलिस ने हिमांशु भाऊ गिरोह के एक शूटर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया। शूटर की पहचान हरियाणा के सोनीपत निवासी अंकित (25) के रूप में हुई है। जब पुलिस टीम सुबह साई बाबा मंदिर के पास शूटर को गिरफ्तार करने पहुंची, तब शूटर ने पुलिसकर्मियों पर गोलियां चला दीं। पुलिस ने कहा, '' शूटर ने तीन गोलियां चलाईं, जिसमें एक गोली एक हेड कॉन्स्टेबल की बुलेटप्रूफ जैकेट पर लगी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की जिसमें अंकित के दाएं पैर में गोली लगी। अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के अनुसार अंकित 28 अक्टूबर को नजफगढ़ में गैंगस्टर रोहित लांबा पर गोलीबारी के मामले में वांछित है और उसके साथ इस मामले में तीन और लोग आरोपी हैं। चार आरोपियों को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि अंकित और एक अन्य शूटर दीपक फरार थे।

मेडिकल कॉलेज स्कैम में 10 राज्यों में रेड

रायपुर छत्तीसगढ़ समेत 10 राज्यों में प्रवर्तन निदेशालय ने 15 से ज्यादा ठिकानों पर छापेमारी की है। मेडिकल कॉलेज स्कैम मामले में यह कार्रवाई की गई है। दिल्ली से ईडी की टीम रायपुर पहुंची हुई है। प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों में जांच कर रही है। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में भी रेड मारी गई है। यह कार्रवाई केंद्रीय जांच ब्यूरो की 30 जून को दर्ज की गई एक एफआईआर से जुड़ी है। इस केस में 3 डॉक्टर्स समेत 6 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई थी। एफआईआर में आरोप है कि नेशनल मेडिकल कमीशन के कुछ अधिकारी और अन्य सरकारी कर्मचारी रिश्वत लेकर मेडिकल कॉलेजों को इंस्पेक्शन से जुड़ी गोपनीय जानकारी लीक करते थे।

दिल्ली प्रदूषण पर सीजेआई बोले- एक्सपर्ट-साइंटिस्ट को समाधान खोजना चाहिए

हमारे पास जादू की छड़ी नहीं, जिससे आदेश जारी करते ही हवा साफ हो जाए

नई दिल्ली सुप्रीम कोर्ट के चीफ जस्टिस सूर्य कांत ने गुरुवार को दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते वायु प्रदूषण से जुड़ी याचिका पर सुनवाई के दौरान कहा कि हमारे पास कोई जादू की छड़ी नहीं है। मुझे बताइए कि हम क्या आदेश दे सकते हैं, जिससे हवा तुरंत साफ हो जाए। सीजेआई ने कहा कि दिल्ली में एयर क्वालिटी इंडेक्स के बिगड़ने के कई कारण हैं। इस क्षेत्र के एक्सपर्ट्स और साइंटिस्ट्स ही इसका हल निकाल सकते हैं। समस्या हम सबको पता है। समाधान ढूंढने की जरूरत है। प्रदूषण का कोई एक कारण है, यह सोचना बहुत बड़ी गलती हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 1 दिसंबर की तारीख तय की। सीजेआई के साथ जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा- सोमवार को देखते हैं कि मामले पर हम क्या कर सकते हैं।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में निर्दलीय विधायक की संख्या हुई शून्य

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 कई मायनों में रिकॉर्ड साबित हुआ। बिहार चुनाव में वोटरों ने मतदान प्रतिशत के आजादी के बाद के आंकड़ों को पछाड़ दिया। एनडीए गठबंधन 5 सीट के फासले से 2010 के अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से पीछे रहा, जब सिर्फ बीजेपी और जेडीयू को 206 सीटों पर जीत मिली थी। चुनाव में एक और रिकॉर्ड बना है। पहली बार विधानसभा में एक भी निर्दलीय विधायक नहीं पहुंचा हैं। एक चुनाव में बिहार विधानसभा में 33 स्वतंत्र एमएलए पहुंचे थे और इस बार उनकी संख्या शून्य है। साल 2000 से निर्दलीय विधायकों की संख्या में कमी का जो ट्रेंड शुरू हुआ था, वहां 2020 के चुनाव में 1 से होते हुए 2025 में 0 पर आ गया। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 दिखाता है कि वोटर द्विध्रुवीय मतदान कर रहे हैं। चुनाव में तीसरी ताकत की जगह नहीं है। साल 2000 में अन्य दलों और निर्दलीय मिलकर 36.8 फीसदी वोट हासिल कर रहे थे, वहां 2025 में मात्र 15.5 प्रतिशत रह गया है। राजद और महागठबंधन की करारी हार का कारण कुछ डेटा जानकार तीसरी ताकत के वोट में आई कमी को मानते हैं। 2020 के चुनाव में अन्य दल और निर्दलीय को 25.5 फीसदी वोट मिला था, जो अब 10 फीसदी कम 15.5 प्रतिशत ही रह गया। इसमें एआईएमआईएम और बसपा के 6 एमएलए भी हैं। महागठबंधन का वोट 2020 में 37.2 फीसदी था, जो 2025 में 37.9 प्रतिशत हुआ, यानी बढ़ा, लेकिन सीटें साफ हो गईं। महागठबंधन का वोटर साथ में रहा। तीसरी ताकत के 10 प्रतिशत वोट एनडीए की तरफ चले गए, जिससे एनडीए को निर्णायक बढ़त और प्रचंड जीत मिली। लालू यादव ने जब 1990 में बिहार की कमान संभाली थी, तब निर्दलीय विधायकों की संख्या 30 होती थी। 1995 में इनकी संख्या गिरकर 11 रही। लेकिन 2000 में बिहार-झारखंड विभाजन के साथ हुए चुनाव में फिर 20 निर्दलीय जीत गए। इसके बाद हर चुनाव में इनकी संख्या लगातार गिरती गई और घटते-घटते इस बार शून्य पर पहुंच गई है। 2005 के फरवरी वाले चुनाव में 17, अक्टूबर वाले चुनाव में 10,

2010 में 6, 2015 में 4 और 2020 में 1 निर्दलीय ही जीत पाए थे। 2020 में जीते इकलौते निर्दलीय सुमित सिंह को नीतीश कुमार ने मंत्री बनाया था और इस बार जेडीयू के टिकट पर मैदान में उतारा, लेकिन वे चुनाव हार गए।

बंगाल फतह करने के मिशन में जुटी भाजपा, शाह का सीधा संदेश

कार्यकर्ता अलर्ट मोड में रहें

नई दिल्ली

बिहार विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत हासिल करने के बाद गदगद भाजपा अब मिशन बंगाल पर जुटने को तैयार है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के दिल्ली स्थित आवास पर हुई डिनर बैठक में भाजपा नेताओं का केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने मार्गदर्शन किया। एक ओर उन्होंने बिहार में मिली जीत से अहंकार में ना आने की सीख दी। वहीं कहा कि अब हम लोगों को बंगाल के लिए जुटना होगा। उन्होंने कहा कि अब आगे हम लोगों को बंगाल की लड़ाई के लिए तैयार रहना है। केंद्रीय मंत्री शाह ने स्पष्ट नसीहत थी कि सभी लोग जहां कम, वहां हम वाले भाव से काम करें और कार्यकर्ता मोड में रहें।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि जहां भी संगठन कमजोर पड़े, वहां जाकर संगठन को ताकतवार बनाना है। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि नेताओं की भूमिका सिर्फ चुनाव लड़ाने तक सीमित नहीं है बल्कि जहां कम, वहां हम के भाव से सक्रिय रहने की है। इसके अलावा बिहार के नेताओं के लिए भी शाह ने साफ संकेत दिया कि कोई भी यह ना माने की उसके चलते जीत मिली है। ऐसा सोचना अहंकार का भाव पैदा करेगा। उन्होंने कहा, सभी नेताओं ने परिश्रम की पराकाष्ठा की है। चुनाव में 1 प्रतिशत का योगदान भी बहुत बड़ा होता है, लेकिन कोई नेता यह न सोचे कि जीत उसकी वजह से मिली है। ऐसा सोचना घमंड पैदा करता है।